RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 107 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 11-11-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत में कोई नया जिन्ना फिर न उभरे : योगी

6 भागवत की नई दृष्टि और समरस भारत की परिकल्पना

7 यामी गौतम से सीखी अभिनय की बारीकियां

फर्स्ट टेक

मोदी ने दिल्ली विस्फोट में मरने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में लाल किले के पास ट्रैफिक सिग्नल पर सोमवार शाम हुए विस्फोट में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, दिल्ली में आज शाम हुए विस्फोट में जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। अधिकारी प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह और अन्य अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की।

तमिल अभिनेता अभिनय का निधन

चेन्नई/भाषा। 'थुल्लुवाधो इलमई' में अपनी भूमिका के लिए मशहूर तमिल अभिनेता अभिनय का सोमवार को चेन्नई में निधन हो गया। सूत्रों ने बताया कि अभिनय (44) लीवर संबंधी बीमारी से पीड़ित थे। वह बीमारी से जूझ रहे थे और चंदे के जरिए धन एकत्र करने के बाद उनका इलाज कराया गया था। अभिनय के साथ 'थुल्लुवधो इलमई' में काम कर चुके अभिनेता धनुष ने उनके इलाज के लिए कथित तौर पर पांच लाख रुपए का योगदान दिया था। वह अकेले रहते थे और उनका कोई परिवार नहीं था। दक्षिण भारतीय कलाकार संघ (नदिगर संगम) के उपाध्यक्ष 'पूची' मुरुगन ने बताया कि संघ के सदस्यों ने उनके अंतिम संस्कार में मदद की। मुरुगन ने कहा, ''अभिनेता बाला ('कलाक्का पोवाथु यारु'-प्रसिद्धि) ने भी आर्थिक और व्यक्तिगत रूप से बहुत मदद की।'' बाला ने अभिनय के इलाज के लिए कथित तौर पर एक लाख रुपए का योगदान दिया।

लंदन से हैदराबाद आने वाले ब्रिटिश एयरवेज के विमान को बम से उड़ाने की धमकी

हैदराबाद/भाषा। ब्रिटिश एयरवेज की लंदन-हैदराबाद उड़ान से संबंधित विमान को सोमवार तड़के बम की धमकी वाला ईमेल मिला, जो बाद में फर्जी निकला। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर प्राप्त ईमेल में दावा किया गया था कि विमान में बम है, जिसमें 200 से अधिक यात्री सवार थे। विमान सुबह करीब 5:30 बजे हैदराबाद में सुरक्षित उतरा। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, सीआईएसएफ और पुलिस कर्मियों ने जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने पुष्टि की कि यह फर्जी धमकी थी।

11-11-2025 सूर्यास्त 5:50 बजे	12-11-2025 सूर्योदय 6:17 बजे

BSE	NSE
83,535.35 (+319.07)	25,574.35 (+82.05)

सोना	चांदी
12,620 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	150,595 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दिल्ली दहली

लो दहल गई दिल्ली फिर से,
हतप्रभ सारा अमला जमला।
मर गए राजधानी में ही,
यह सोच सोच कर दिल दहला।
नापाक इरादे हैं किसके,
ले रहा कौन किससे बदला।
घायल जन-मन यह पूछ रहा,
क्या है यह आतंकी हमला।।

लाल किले के पास कार में विस्फोट में आठ लोगों की मौत

विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 24 घायल हो गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

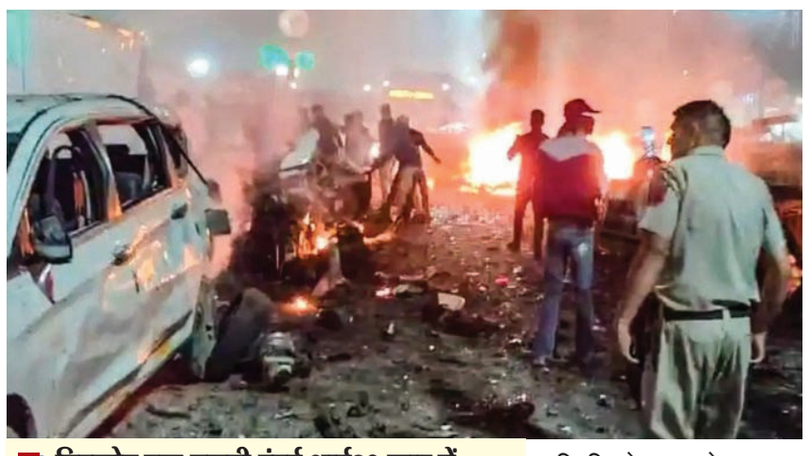

- विस्फोट एक चलती हुंडई आई20 कार में हुआ, जिसमें तीन लोग सवार थे।
- कार नदीम खान नामक व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत थी और उस पर हरियाणा की नंबर प्लेट लगी हुई थी
- फिलहाल किसी भी संगठन ने इस विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है।

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास धीमी गति से गुजर रही एक कार में सोमवार शाम जबरदस्त विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 24 घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि भीड़भाड़ वाले इलाके में व्यस्त समय में हुए विस्फोट के कारण आसपास मौजूद कई वाहन जलकर खाक हो गए, जबकि कई गाड़ियों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। उन्होंने बताया कि विस्फोट में घायल लोगों को लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल ले जाया गया।

दिल्ली के पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने कहा कि जिस कार में विस्फोट हुआ, उसमें कुछ लोग सवार थे।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, विस्फोट एक चलती हुंडई आई20 कार में हुआ, जिसमें तीन लोग सवार थे। हमें घायलों के शरीर में कोई छर्रा या पंचर नहीं मिला है, जो बम विस्फोट में असामान्य है। हम सभी कोण से जांच कर रहे हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि कार नदीम खान नामक व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत थी और उस पर हरियाणा की नंबर प्लेट लगी हुई थी।

अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट के बाद पूरी दिल्ली में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि शहर की सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और वाहनों की जांच तेज कर दी गई है।

चांदनी चौक व्यापारी संघ की ओर से साझा किए गए वीडियो में विस्फोट का भयावह मंजर देखा जा सकता है। इस वीडियो में एक क्षत-विक्षत शव एक वाहन पर पड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। वहीं, एक अन्य वीडियो में सड़क पर एक शव पड़ा हुआ नजर आ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट स्थल के आसपास शवों के अंग बिखरे हुए दिखाई दे रहे थे।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुताबिक, दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं और विस्फोट के कारण लगी आग पर देर शाम 7:29 बजे तक काबू पा लिया गया।

गोलचा ने संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को घटना के बारे में लगातार जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा, देर शाम करीब 6:52 बजे लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास यातायात सिग्नल पर धीमी गति से गुजर रही कार में विस्फोट हो गया। कार के अंदर कुछ लोग सवार थे। अन्य वाहन भी प्रभावित हुए।

हर नजरिये जांच की जा रही है : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जांचकर्ता लाल किले के पास हुए विस्फोट की जांच करते समय सभी विकल्प खुले रख रहे हैं।

उन्होंने बताया कि यह विस्फोट शाम करीब सात बजे लाल किले के पास एक यातायात सिग्नल पर एक हुंडई आई20 कार में हुआ। यहां एलएनजेपी अस्पताल में कुछ घायलों से मिलने के बाद उन्होंने कहा कि जांचकर्ता सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं और किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि विस्फोट में हुई लोगों की मौत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। गृह मंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। यह पूछे जाने पर कि क्या यह आतंकवादी हमला था, शाह ने कहा, यह कहना मुश्किल है कि घटना का कारण क्या था। जब तक विस्फोट स्थल से बरामद नमूनों का फॉरेंसिक और एनएसजी द्वारा विश्लेषण नहीं किया जाता, हम कुछ नहीं कह सकते।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

दो डॉक्टर समेत सात गिरफ्तार

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीयूएच) से जुड़े एक बड़े अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है और दो डॉक्टरों समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर और अन्य राज्यों में साझा तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए गए हैं। बरामदगी में 2,900 किलोग्राम आईईडी बनाने की सामग्री भी शामिल है, जिसमें विस्फोटक, रसायन, ज्वलनशील पदार्थ, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, बैटरी, तार, रिमोट कंट्रोल, टाइमर और धातु की चादरें आदि शामिल हैं।

पुलिस ने कहा कि 19 अक्टूबर को श्रीनगर के बनपोरा नौगाम में विभिन्न स्थानों पर जैश-ए-मोहम्मद के कई पोस्टर चिपकाए गए थे, जिनमें पुलिस और सुरक्षा बलों को धमकी और डर दिखाया गया था।

एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा, जांच से पता चला है कि यह एक सफेदपोश आतंकवादी तंत्र है जिसमें कट्टरपंथी पेशेवर एवं छात्र शामिल हैं, जो पाकिस्तान और अन्य देशों के विदेशी संचालकों के संपर्क में हैं।

राष्ट्र की सुरक्षा हर नागरिक की आदत बने : सैन्य कमांडर सिंह

जयपुर/भाषा। सप्त शक्ति कमान के सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने सोमवार को कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा हर नागरिक की आदत बननी चाहिए।

वह यहां जयपुर सैन्य स्टेशन में संगोष्ठी 'व्होल ऑफ नेशन एप्रोच (डब्ल्यूओएनए) टू काउंटर फ्यूचर कन्फ्लिक्ट्स' को संबोधित कर रहे थे। आधिकारिक बयान के अनुसार, सैन्य कमांडर ने कहा कि आज के दौर में 'राष्ट्र की सुरक्षा हर नागरिक की आदत और आत्मा बननी चाहिए।'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार के मार्गदर्शन को रेखांकित करते हुए उन्होंने 'व्यक्ति केंद्रित से राष्ट्र केंद्रित सोच' अपनाने का आह्वान किया। यह दो दिवसीय संगोष्ठी सप्त शक्ति कमान के तत्वावधान में तथा 'सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज', दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई है।

बयान के अनुसार, अपने संबोधन में सैन्य कमांडर सिंह ने कहा कि वर्तमान वैश्विक वातावरण अत्यधिक अस्थिर है, जहां अनिश्चितता और बदलते शक्ति समीकरण नई चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। उन्होंने रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास संघर्षों का उदाहरण देते हुए बताया कि आज के युद्ध केवल सैन्य मोर्चों तक सीमित नहीं रह गए हैं।

अनावरण

आगामी पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप मेजबान राज्य तमिलनाडु में होने वाली ट्रॉफी यात्रा और आधिकारिक शुभंकर का अनावरण सोमवार को यहां मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम हुआ। यह टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होगा। ट्रॉफी यात्रा को तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन और एफआईएच अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाई। ट्रॉफी यात्रा 10 से 25 नवंबर के बीच कन्याकुमारी से चेन्नई तक तमिलनाडु के 38 जिलों से होकर गुजरेगी।

अमित शाह ने शहरी सहकारी बैंकों के लिए डिजिटल ऐप पेश किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को शहरी सहकारी बैंकों के लिए दो मोबाइल एप्लिकेशन - 'सहकार डिजी पे' और 'सहकार डिजी लोन' - पेश किए। उन्होंने डिजिटल भुगतान को तेजी से बढ़ती नकदी रहित अर्थव्यवस्था में इन बैंकों के अस्तित्व के लिए जरूरी बताया। शहरी सहकारी ऋण क्षेत्र पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) और सहकारी ऋण समितियों को पेशेवर बनाने के लिए सरकार के प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने इस क्षेत्र की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार की ओर इशारा किया, जहां पिछले दो वर्षों में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां 2.8 प्रतिशत से घटकर 0.6 प्रतिशत रह गई हैं।

शाह ने कहा, ''एनपीए में अच्छा सुधार हुआ है। उनके संचालन और वित्तीय अनुशासन में सुधार हुआ है।'' उन्होंने नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन कोऑपरेटिव बैंक्स एंड क्रेडिट सोसायटीज लिमिटेड (एनएएफसीयूबी) से आगे विस्तार करने का आग्रह किया।

मंत्री ने एनएएफसीयूबी के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया कि पांच साल के भीतर दो लाख से अधिक आबादी वाले प्रत्येक शहर में कम से कम एक अतिरिक्त शहरी सहकारी बैंक स्थापित किया जाए। उन्होंने फेडरेशन से कहा कि सफल सहकारी ऋण समितियों को शहरी सहकारी बैंकों में बदलना चाहिए।

शाह ने कहा, ''डिजिटल भुगतान समय की मांग है। हम जानते हैं कि भुगतान के तरीके बदल गए हैं। डिजिटल भुगतान का चलन बढ़ रहा है, और अगर शहरी सहकारी बैंक इसके साथ तालमेल नहीं बिठा पाते हैं, तो वे इस दौड़ से बाहर हो जाएंगे।'' उन्होंने दो साल के भीतर 1,500 बैंकों को इस मंच से जोड़ने का लक्ष्य रखा।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि ही राष्ट्रीय प्रगति का मापदंड नहीं हो सकती।

स्कूल के शौचालय में सहपाठियों ने लड़के को पीटा

मैसूरु/भाषा। मैसूरु में एक निजी स्कूल के सातवीं कक्षा के छात्र पर स्कूल के शौचालय में उसके ही तीन सहपाठियों ने कथित तौर पर मारपीट की, जिससे उसके गुप्तांगों में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना पिछले महीने दिवाली के तुरंत बाद घटी थी और मारपीट का यह सिलसिला तीन दिनों तक जारी रहा। पीड़ित की चोटों के लिए सर्जरी करनी पड़ी। पीड़ित लड़के (13) ने संवाददाताओं को बताया कि जब उसने अपने सहपाठियों की गलत हरकतों के बारे में शिक्षक से शिकायत की तो उसे निशाना बनाया। उसने कहा, मैं कक्षा प्रतिनिधि था और मैंने शिक्षक को उनके व्यवहार के बारे में बताया था। इसके बाद उन्होंने मुझे निशाना बनाना शुरू कर दिया। उसके माता-पिता के अनुसार, लड़के को गंभीर चोटें आईं और उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसके एक अंडकोष को शल्य चिकित्सा द्वारा निकालना पड़ा। उन्होंने बताया कि अब तक वे चिकित्सा पर दो लाख रुपए से अधिक खर्च कर चुके हैं।

'मेड इन इंडिया' रक्षा उत्पाद वैश्विक सम्मान प्राप्त कर रहे : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत ने 2024-25 में 1.51 लाख करोड़ रुपए मूल्य का रक्षा उत्पादन किया है और रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों (डीपीएसयू) का योगदान इसकी कुल राशि में 71.6 प्रतिशत रहा।

सिंह ने यह टिप्पणी यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में 16 डीपीएसयू के प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा करते हुए की। उन्होंने कहा, ''हमारे सभी 16 डीपीएसयू देश की आत्मनिर्भरता के मजबूत स्तंभ के रूप में काम कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में उनका उत्कृष्ट प्रदर्शन हमारे स्वदेशी प्लेटफार्म की विश्वसनीयता और क्षमता का प्रमाण है।''

सिंह ने दक्षिण दिल्ली के नौरोजी नगर स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में नये रक्षा उद्यम (डीपीएसयू) भवन का उद्घाटन भी किया। रक्षा मंत्री ने भारत के रक्षा विनिर्माण परिवेशी तंत्र को मजबूत करने और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में डीपीएसयू के निरंतर योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-25 में, भारत ने 1.51 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन हासिल किया, जिसमें रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों (डीपीएसयू) का योगदान कुल उत्पादन का 71.6 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि रक्षा निर्यात 6,695 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो भारत की स्वदेशी प्रणालियों में वैश्विक विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि 'मेड इन इंडिया' रक्षा उत्पाद वैश्विक सम्मान प्राप्त कर रहे हैं।

सिंह ने इस गति को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए सभी रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) से महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के त्वरित स्वदेशीकरण, समग्र अनुसंधान एवं विकास, उत्पाद गुणवत्ता, समय पर आपूर्ति और निर्यात बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने डीपीएसयू को निर्देश दिया कि वे स्वदेशीकरण और अनुसंधान एवं विकास के स्पष्ट रोडमैप तैयार करें, जिनमें मापनीय प्रगति हों, जिन्हें अगली समीक्षा बैठक में प्रस्तुत किया जाना है।

भारत और अंगोला के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के व्यापक अवसर : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लुआंडा/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत और अंगोला के पास डिजिटल प्रौद्योगिकी, रक्षा, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण सहित विभिन्न क्षेत्रों में संभावनाओं की तलाश करके अपने आर्थिक संबंधों को गहरा करने के व्यापक अवसर हैं।

अंगोला की अपनी राजकीय यात्रा के तीसरे दिन देश की संसद के सदस्यों को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि व्यापार और आर्थिक सहयोग दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने कहा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, रक्षा, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण में दोनों देशों के बीच सहयोग के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। आगे बढ़ते हुए, हम अपने आर्थिक संबंधों को गहरा करने के लिए इन संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों का सहयोग हमारे आर्थिक संबंधों को लगातार मजबूत बना रहा है।

मुर्मू अटलांटिक महासागर के किनारे स्थित इस ऊर्जा-समृद्ध देश की यात्रा करने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति हैं। उन्होंने कहा कि भारत और अंगोला के बीच संबंध दोनों देशों के लोगों के लिए आपसी सम्मान, समानता और पारस्परिक लाभ के सिद्धांत पर आधारित हैं।

आंध्र ने चक्रवात 'मोंथा' से नुकसान 6,384 करोड़ रुपये बताया, 900 करोड़ रुपये की तत्काल सहायता मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश सरकार ने सोमवार को चक्रवात 'मोंथा' से हुए नुकसान के अनुमान को संशोधित कर 6,384 करोड़ रुपये कर दिया तथा नुकसान का आकलन करने के लिए एक केंद्रीय टीम के राज्य के दौरे के बाद 900 करोड़ रुपये की तत्काल राहत की मांग की।

गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव पौसुमी बसु और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निदेशक के पोन्नुस्वामी के नेतृत्व में आठ सदस्यीय अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम (आईएमसीटी) ने आज राज्य का दौरा किया।

राज्य ने पहले प्रारंभिक नुकसान का आकलन 5,265 करोड़ रुपये किया था।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, कुल अनुमानित नुकसान 6,384 करोड़ रुपये है और राज्य ने केंद्र से 901.4 करोड़ रुपये की तत्काल अंतरिम सहायता मांगी है। दक्षिणी राज्य ने केंद्रीय टीम से उदार सहयोग देने की अपील की है तथा कहा है कि चक्रवात 'मोंथा' ने प्रारंभिक अनुमानों से कहीं अधिक व्यापक क्षति पहुंचाई है।

केंद्रीय टीम को दिए गए विस्तृत प्रस्तुतीकरण में अधिकारियों ने बताया कि 24 जिलों में कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन, सिंचाई, आवास और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने टीम को बताया कि 1.61 लाख एकड़ में फैली धान, कपास, मक्का और मूंग जैसी फसलें प्रभावित हुईं, जबकि 6,250 हेक्टेयर में बागवानी फसलों को नुकसान हुआ।

पति की हत्या कर शव को सूटकेस में भरा, आरोपी पत्नी की तलाश शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जशपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में एक महिला ने घरेलू विवाद में अपने 43 वर्षीय पति की कथित रूप से हत्या कर शव को सूटकेस में भर दिया। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उनके मुताबिक, पुलिस ने शव को सूटकेस से बरामद कर लिया है तथा आरोपी पत्नी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के दुलदुला थाना क्षेत्र के अंतर्गत भिंजपुर गांव के एक घर से पुलिस ने एक सूटकेस से संतोष भगत का शव बरामद किया है। उन्होंने बताया कि भिंजपुर गांव निवासी संतोष के बड़े भाई विनोद ने रविवार को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका भाई संतोष गांव में ही अपनी पत्नी के साथ अलग घर में रहता था और उसके तीन बच्चे हैं, जिनकी शादी हो गई है और वे बाहर रहते हैं।

विनोद ने बताया कि संतोष की पत्नी मुंबई में काम करती है तथा बीच-बीच में गांव आती रहती है और कुछ दिनों पहले ही संतोष की पत्नी गांव लौटी थी।

विनोद ने पुलिस को बताया कि सात नवंबर को पति-पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, संतोष की पत्नी ने आठ नवंबर को अपनी एक बेटी को फोन कर बताया कि उसने अपने की हत्या कर दी है तथा शव को कंबल में लपेट कर सूटकेस में भर दिया है। उन्होंने बताया कि इसके बाद बेटी घबरा गई और अपने पति के साथ रविवार को भिंजपुर गांव आकर अपने ताया विनोद को घटना की जानकारी दी जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि विनोद की सूचना पर पुलिस दल को गांव रवाना किया गया तथा संतोष के घर की तलाशी ली गई और इस दौरान पुलिस ने एक ट्रॉली सूटकेस से संतोष का शव बरामद किया। बाद में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जशपुर जिले के पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज आरोपी पत्नी की तलाश शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दल को महाराष्ट्र रवाना किया गया है, जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चौहान ने कृषि वैज्ञानिकों से बाजरे के उच्च गुणवत्ता वाले बीज विकसित करने का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बाजरे को लाभकारी फसल बनाने तथा किसानों को उसके प्रति आकर्षित करने के लिए सोमवार को कृषि वैज्ञानिकों से उसके उच्च गुणवत्ता वाले बीज विकसित करने का आह्वान किया।

चौहान ने यहां 'माड़िया (बाजरा) दिवस' के अवसर पर श्री अन्न (बाजरा) और महिला किसान विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''किसान ऐसी फसलों की तलाश में हैं जो उन्हें बेहतर वित्तीय लाभ दे सकें। इसलिए, हमारे सामने बाजरे को एक लाभदायक फसल बनाना चुनौती है ताकि किसान बाजरे की खेती की ओर रुख कर सकें।'' उन्होंने कहा कि ओडिशा ने बाजरे का उत्पादन छह क्विंटल प्रति हेक्टेयर से बढ़ाकर 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करके अच्छा काम किया है और राष्ट्रीय औसत को पार कर लिया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''फिर भी, हमारे वैज्ञानिकों के सामने बाजरे के बीजों की गुणवत्ता में और सुधार लाने तथा उत्पादन बढ़ाने के लिए खेती की लागत कम करने का एक बड़ा काम है। हम आने वाले दिनों में इस संबंध में अपने प्रयास जारी रखेंगे।'' उन्होंने फसल के प्रसंस्करण पर भी ज़ोर दिया ताकि किसानों, विशेषकर महिला किसानों को जमीनी स्तर पर फसल का अधिकतम लाभ मिल सके। चौहान ने कहा कि इसके अलावा इस फसल को बढ़ावा देने के लिए राज्यों को किसानों से बाजरा खरीदने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा, ''ओडिशा भारत का एकमात्र राज्य है जो किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बाजरा खरीद रहा है।'' कृषि मंत्री ने कहा कि ओडिशा ने मध्याह्न भोजन योजना के तहत स्कूली बच्चों को बाजरा से बने खाद्य पदार्थ को भी परोसा है। उन्होंने कहा कि बच्चों में स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के लिए अन्य राज्यों में भी इसका विस्तार किया जाना चाहिए।

ओडिशा सरकार द्वारा बाजरे के क्षेत्र में अन्य राज्यों को राह दिखाने में अग्रणी भूमिका निभाने का उल्लेख करते हुए, केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि वह बाजरे पर ओडिशा मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर और अन्य राज्यों में भी ले जायेंगे। इस अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि बाजरे की खेती प्रारंभ में लगभग 30,000 हेक्टेयर में शुरू की गई थी और अब इसे राज्य के सभी 30 जिलों में विस्तारित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बाजरा या 'माड़िया', जिसे आदिवासी भोजन के रूप में जाना जाता था, अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'सुपर फूड' के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कदम से आदिवासी और महिला किसानों को लाभ होगा।

ई-कॉमर्स मंच के लिए 'मूल देश' फिल्टर को अनिवार्य करने का प्रस्ताव

नयी दिल्ली/भाषा। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने ई-कॉमर्स मंचों के लिए पैकेज वस्तुओं के 'मूल देश' का फिल्टर अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया है। इस संशोधन से उपभोक्ताओं को ऑनलाइन खरीदारी करते समय उत्पादों की उत्पत्ति की आसानी से पहचान करने में मदद मिलेगी। यह कदम डिजिटल मार्केटप्लेस में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मसौदा विधिक माप विज्ञान (पैकेज जिंस) (द्वितीय) संशोधन नियम, 2025, मौजूदा 2011 के नियमों में संशोधन करेगा। इसके तहत आयातित उत्पाद बेचने वाली प्रत्येक ई-कॉमर्स इकाई को अपनी उत्पाद सूची के साथ मूल देश के लिए एक खोज योग्य फिल्टर देना होगा। प्रस्तावित सुविधा से विशाल उत्पाद सूची में ऐसी जानकारी खोजने में लगने वाले समय में कमी आएगी। संशोधन नियमों का मसौदा सार्वजनिक परामर्श के लिए विभाग की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है। इस पर हितधारकों से 22 नवंबर, 2025 तक टिप्पणियां आमंत्रित की गई हैं।

बेरोज़गारी, वेतन में स्थिरता की जद में उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्र भी आए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने कुछ प्रमुख भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में छात्रों के प्लेसमेंट और वेतन में गिरावट संबंधी एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए सोमवार को दावा किया कि बड़े पैमाने पर बेरोज़गारी और वेतन में स्थिरता की जद में अब भारत के सबसे प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्र भी आ गए हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि कैंपस प्लेसमेंट के ज़रिये अंतिम वर्ष के बी.टेक छात्रों को मिलने वाले प्लेसमेंट के प्रतिशत और औसत वेतन पैकेज में काफी गिरावट आई है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आईआईटी संस्थानों के नए आंकड़े हैं, जिन्हें मोदी सरकार ने संकलित तो किया, लेकिन प्रकाशित नहीं किया। कैंपस प्लेसमेंट के ज़रिये अंतिम वर्ष के बी.टेक छात्रों को मिलने वाले प्लेसमेंट के प्रतिशत और औसत वेतन पैकेज में काफी गिरावट दर्शाते हैं।'' उन्होंने कहा कि 2021-22 और 2023-24 के बीच सात सबसे पुराने आईआईटी संस्थानों से प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या में 11 प्रतिशत की गिरावट और वेतन में 0.2 लाख रुपये की गिरावट देखी गई। कांग्रेस महासचिव के अनुसार, ''आठ सबसे पुराने आईआईटी संस्थानों में प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या में नौ प्रतिशत अंकों की गिरावट और वेतन पैकेज में 2.2 लाख रुपये की गिरावट देखी गई। आठ सबसे नए आईआईटी संस्थानों में प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों की संख्या में 7.3 प्रतिशत अंकों की गिरावट और वेतन पैकेज में एक लाख रुपये की गिरावट देखी गई।''

पेटीएम ने भुगतान अनुभव को बेहतर बनाने के लिए नया ऐप पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। छोटे और मझोले उद्योगों को सेवा देने वाली भुगतान कंपनी पेटीएम (वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) ने अपने प्रमुख ऐप का पूरी तरह से नया संस्करण पेश किया है।

इसमें उपयोगकर्ताओं के लिए रोजमर्रा के लेन-देन को सुव्यवस्थित और व्यक्तिगत जरूरत के अनुसार बनाने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सुविधाओं को जोड़ा गया है। इसमें 15 से ज्यादा नए फीचर के साथ एक साफ यूजर इंटरफेस पेश किया गया है, जो 12 देशों के प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) सहित देश भर के ग्राहकों के लिए भुगतान को तेज और बेहतर बनाता है।

यह नया ऐप एआई पर आधारित है, जिससे यह खर्च करने के रुझान को समझ सकता है, लेनदेन को स्वचालित रूप से व्यवस्थित कर सकता है और व्यक्तिगत जानकारी दे सकता है।

पेटीएम के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने कहा, ''हमने नए पेटीएम ऐप को एक बेहतर डिजाइन, नए एआई-आधारित अनुभव और नवोन्मेषण के साथ पेश किया है जो इसे सर्वश्रेष्ठ भुगतान ऐप बनाता है। इसके साथ, हम भुगतान में एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं, जहां ऐप आपके खर्च को समझता है, उसे स्वचालित रूप से व्यवस्थित करता है।'' उन्होंने कहा, ''हम हर भुगतान पर 'गोल्ड कॉइन' भी दे रहे हैं, जिन्हें असली डिजिटल सोने में भुनाया जा सकता है, ताकि हर पेटीएम भुगतान एक सुनहरा भुगतान बन जाए।''

जब प्रदूषण पर सरकार खुद विफल है तो लोगों को अपना फर्ज निभाना पड़ता है: कांग्रेस

नयी दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने दिल्ली में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे लोगों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि जब सरकार अपने कर्तव्य में बुरी तरह विफल हो रही है, तो लोगों को अपना फर्ज निभाना ही होगा।

दिल्ली पुलिस ने रविवार को इंडिया गेट के निकट ऐसे कई लोगों को हिरासत में ले लिया था जो प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रतिष्ठित इंडिया गेट कर्तव्य पथ पर है। इस पथ का नया नाम स्वयं प्रधानमंत्री ने रखा है। दिल्ली के नागरिक जो बेहतर वायु गुणवत्ता के लिए विरोध कर रहे हैं, वे केवल भारत के संविधान के उस अनुच्छेद 51-ए (जी) के तहत अपना कर्तव्य निभाना चाहते हैं जो उन्हें पर्यावरण की रक्षा और सुधार का अधिकार देता है। उन्होंने सवाल किया कि दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें भयावह वायु गुणवत्ता पर अपनी चिंता दर्ज करने से क्यों रोका जा रहा है?

आईफोन 15 लेकर भागने के आरोप में बाइक टैक्सी सेवा प्रदाता का प्रतिनिधि गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। दिल्ली के पटेल नगर में एक 'एप्पल आईफोन 15' लेकर फरार हुए बाइक टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी के प्रतिनिधि को कई हफ्ते बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी को एक ग्राहक को 'एप्पल आईफोन 15' पहुंचाना था।

पुलिस ने बताया कि नंगली डेयरी निवासी गुरप्रीत सिंह (29) को आठ नवंबर को गिरफ्तार कर लिया गया। अपराध में इस्तेमाल स्कूटर भी जब्त कर लिया गया है।

पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वलसन ने कहा, ''17 अक्टूबर को एक शिकायत मिली थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक आईफोन 15 पहुंचाने के लिए नियुक्त 'बाइक एग्रीगेटर राइडर' गंतव्य तक नहीं पहुंचा और पार्सल लेकर गायब हो गया। उसके बाद आरोपी ने अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया।'' उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच से पता चला कि सिंह अपना ठिकाना बदलता रहता था। बाद में उसे नंगली डेयरी इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान सिंह ने पार्सल चुराने की बात कबूल की और कहा कि वह नशे की अपनी लत के कारण इस तरह के कृत्य करता था। अधिकारी ने बताया कि जांच से पता चला कि सिंह का एक लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ राजौरी गार्डन, हरि नगर, पश्चिम विहार पूर्व एवं डाबरी सहित दिल्ली के कई थानों में चोरी, डकैती एवं शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन से संबंधित कम से कम 10 मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों से जुड़े किसी भी सहयोगी का पता लगाने और चोरी की गई अन्य संपत्ति की बरामदगी के लिए जांच जारी है।

प्रधान न्यायाधीश ने एआई के खतरों का जिक्र किया, संबंधित याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के खतरों पर प्रकाश डालते हुए प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने सोमवार को कहा कि छेड़छाड़ कर तैयार किए गए वीडियो के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बारे में उन्हें पता है और उनके न्यायालय कक्ष में जूता फेंकने की घटना को गलत तरीके से दर्शाया गया है।

यह टिप्पणी तब की गई जब प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने न्यायपालिका के भीतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उपकरणों के उपयोग को विनियमित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने का अनुरोध करने वाली एक याचिका को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की। कार्यवाही के दौरान, याचिकाकर्ता के एक वकील ने अदालती प्रक्रियाओं में एआई उपकरणों के बेलगाम उपयोग के खिलाफ चेताते हुए कहा, ''यह न्यायालय भी एआई का उपयोग कर रहा है, लेकिन बुराइयां ऐसी हैं...।''

प्रधान न्यायाधीश ने छेड़छाड़ वाली वीडियो क्लिप के ऑनलाइन प्रसारण का जिक्र करते हुए कहा, ''हम इसके बारे में जानते हैं, हमने छेड़छाड़ कर तैयार किया गया हम दोनों का वीडियो देखा है।'' अधिवक्ता अभिनव श्रीवास्तव के माध्यम से दायर याचिका में न्यायिक कार्यों में एआई के उपयोग को नियंत्रित करने के लिए एक नीति बनाने का अनुरोध किया गया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि कुछ एआई प्रणालियां 'प्रणालीगत पूर्वाग्रहों' को समाहित कर सकती हैं और 'ब्लैक बॉक्स' के रूप में काम कर सकती हैं। याचिका में कहा गया है कि न्यायपालिका और न्यायिक कार्यों में एकीकृत एआई में पूर्वाग्रह से मुक्त डेटा होना चाहिए, और डेटा स्वामित्व इतना पारदर्शी होना चाहिए कि हितधारकों की जिम्मेदारी सुनिश्चित हो सके। इसमें तर्क दिया गया है कि इस तरह के एकीकरण से जुड़ी सबसे बड़ी चिंताओं में से एक डेटा की अपारदर्शिता है और चेतावनी दी गई है कि न्यायिक कार्यों में 'जनरेटिव' एआई के उपयोग से साइबर हमलों का खतरा बढ़ सकता है।

जम्मू कश्मीर पुलिस ने आतंकी मॉड्यूल में भूमिका के लिए लखनऊ की महिला डॉक्टर को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में फैले एक आतंकी मॉड्यूल में भूमिका होने के आरोप में लखनऊ की एक महिला डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि डॉक्टर की कार से एक एके-47 राइफल बरामद की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि डॉ. शाहीन को सात अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इनमें फरीदाबाद में रह रहे कश्मीर के डॉ. मुज़म्मिल गनई भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि डॉ. शाहीन को हिरासत में पूछताछ के लिए हवाई मार्ग से श्रीनगर लाया गया।

जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए तीन चिकित्सकों समेत आठ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और 2,900 किलोग्राम विस्फोटक जब्त किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के पुलिस बलों के साथ-साथ केंद्रीय एजेंसियों के संयुक्त अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने यह नहीं बताया कि ये गिरफ्तारियां कब हुईं।

आयुष मंत्रालय वैज्ञानिक अनुसंधान को मजबूत करेगा : जाधव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। केन्द्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने सोमवार को कहा कि आयुष मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से, वैज्ञानिक अनुसंधान को मजबूती देने, गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने तथा यह सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता है कि पारंपरिक चिकित्सा का लाभ सभी लोगों के लिए उपलब्ध हो।

जाधव ने 17 से 19 दिसंबर तक यहां आयोजित होने वाले दूसरे डब्ल्यूएचओ पारम्परिक औषधि वैश्विक शिखर सम्मेलन से जुड़े एक कार्यक्रम में मौजूद रहे। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा को सांस्कृतिक पहचान, प्रकृति व कल्याण के बारे में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही सामुदायिक बुद्धिमत्ता और ज्ञान का खजाना बताया। इस शिखर सम्मेलन में दुनिया भर से 'हाइब्रिड मोड' में लगभग 7,000 प्रतिभागी शामिल होंगे। यह सम्मेलन डब्ल्यूएचओ की वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा रणनीति (2025-2034) के उद्देश्यों को आगे बढ़ाएगा, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा की भूमिका को मजबूत करने के लिए संवाद, साक्ष्य और कार्रवाई को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय, डब्ल्यूएचओ और जामनगर स्थित उसके ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (जीएसटीएम) के साथ मिलकर इस वैश्विक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने कहा कि यह दूसरा वैश्विक शिखर सम्मेलन इसे और आगे बढ़ाते हुए नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों और समुदायों के बीच बातचीत के लिए एक मंच तैयार करेगा। यह इस बात की फिर से पुष्टि करेगा कि पारंपरिक चिकित्सा, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और सतत विकास के व्यापक लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, भारत इस वैश्विक प्रयास का समर्थन करने में गर्व महसूस करता है। हम न केवल अपनी पुरानी विरासत को संभाल रहे हैं, बल्कि उन सभी देशों के भरोसेमंद साथी भी हैं जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और लोगों की भलाई के लिए पारंपरिक चिकित्सा का उपयोग करना चाहते हैं। हमारी नजर में यह एक ऐसी यात्रा है जहां हम एक-दूसरे से सीखेंगे, सहयोग करेंगे और एक-दूसरे की परंपराओं का सम्मान करेंगे।

गोयल ने यूटा सीनेट अध्यक्ष से मुलाकात कर एआई, स्वच्छ ऊर्जा में सहयोग पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को यूटा राज्य सीनेट के अध्यक्ष जे स्टुअर्ट एडम्स के नेतृत्व में एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की।

यूटा पश्चिमी अमेरिका का एक राज्य है। इस दौरान उन्होंने एआई, स्वच्छ ऊर्जा, खनिज, बायोटेक, एयरोस्पेस और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

गोयल ने एक सोशल मीडिया मंच पर लिखा, ''एआई, स्वच्छ ऊर्जा, खनिज, शिक्षा और अनुसंधान, बायोटेक, एयरोस्पेस और उन्नत विनिर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई।'' उन्होंने कहा कि भारत और यूटा के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

निर्वाचन आयोग ने बिहार के मतदाताओं के साथ न्याय नहीं किया : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। कांग्रेस नेता और कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने बिहार के मतदाताओं के साथ न्याय नहीं किया है क्योंकि उसने बड़ी संख्या में गरीब मतदाताओं और राज्य के बाहर नौकरी कर रहे लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि आयोग ने खुद यह स्वीकार किया है कि कुछ न ''कुछ गड़बड़'' हुई , जिसके बाद वह मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कर रहा है।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवकुमार कांग्रेस के ''वोट चोर, गद्दी छोड़'' अभियान के तहत राज्य से एकत्र किए गए 1.12 करोड़ हस्ताक्षर पार्टी आलाकमान को सौंपने के लिए यहां आए थे। उन्होंने आरोप लगाया, ''निर्वाचन आयोग ने बिहार के मतदाताओं के साथ न्याय नहीं किया है।''

शिवकुमार ने दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बड़े पैमाने पर गरीबों और नौकरी की तलाश में बिहार से बाहर जाने वालों के नाम हटा दिए गए। हालांकि, शिवकुमार ने इस सवाल का जवाब नहीं दिया कि क्या उन्होंने कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने का मुद्दा पार्टी आलाकमान के समक्ष उठाया है।

उन्होंने कहा, ''मैं यहां राजनीति पर बोलने नहीं आया हूं। मैं यहां लोकतंत्र बचाने, वोट बचाने आया हूं। मैं कोई राजनीतिक जवाब नहीं देना चाहता।''

इन्फोसिस और निम्हान्स कार्यस्थल पर स्वास्थ्य के लिए मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण नियमावली पेश करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आईटी सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंफोसिस ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हान्स) के साथ मिलकर सोमवार को 'वेलनेस मैटर्स: मेंटल हेल्थ फर्स्ट ऐडर ट्रेनिंग मैनुअल' पेश करने की घोषणा की।

यह एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका है जो कर्मचारियों को मानसिक परेशानी के शुरुआती लक्षणों को पहचानने, सहकर्मियों को सहायता प्रदान करने और व्यक्तियों को पेशेवर सहायता मुहैया कराने के लिए तैयार की गई है। इस पहल का उद्देश्य मनोवैज्ञानिक रूप से सुरक्षित और समावेशी कार्यस्थल संस्कृति को बढ़ावा देना है।

इंफोसिस ने एक बयान में कहा कि 'मेंटल हेल्थ फर्स्ट ऐडर ट्रेनिंग मैनुअल' में आत्म-जागरूकता, आत्म-देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों को समझना और बुनियादी परामर्श कौशल जैसे आवश्यक क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह कर्मचारियों को तनाव के शुरुआती लक्षणों की पहचान करने और उचित सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

मंत्री परमेश्वर ने जेल अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि सरकार ने राज्य के कारागारों में अवैध गतिविधियों की खबरों को गंभीरता से लिया है और उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी चूक बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

मंत्री का यह बयान हाल में मीडिया में आई उन खबरों के बाद जनता में व्याप्त आक्रोश के बीच आया है, जिनमें कथित तौर पर दिखाया गया है कि बेंगलूरु केंद्रीय कारागार में बैरकों के अंदर गांजा, शराब, मोबाइल फोन और टेलीविजन जैसी प्रतिबंधित वस्तुओं तक कैदियों की पहुंच है।

उन्होंने एक समीक्षा बैठक से पहले संवाददाताओं से कहा, ''मीडिया ने राज्य के कारागारों में अवैध गतिविधियों की खबरें दी हैं। हमने इसे बहुत गंभीरता से लिया है। सरकार इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।''

परमेश्वर ने जेल प्राधिकारियों को जवाबदेह ठहराते हुए कहा, ''सभी संबंधित अधिकारी और जेल प्रमुख जिम्मेदार हैं। उन्हें कारागारों का प्रभारी बनाए जाने के

बाद उनका कर्तव्य है कि वे इसका उचित प्रबंधन करें।''

मंत्री ने उल्लंघनों की खबरों का जिक्र करते हुए कहा कि गांजा, शराब और विभिन्न प्रकार की गतिविधियां होती हैं और इसके लिए प्रभारी व्यक्ति को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

परमेश्वर ने कहा कि विभाग को विभिन्न जानकारी मिली हैं और आगे की कार्रवाई तय करने से पहले सभी सूचनाओं की समीक्षा की जाएगी। परमेश्वर ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस मामले पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लेने और कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।'' परमेश्वर ने उच्च स्तरीय बैठक के बारे में बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए पुलिस महानिदेशक, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कारागार) और प्रमुख कारागारों के अधीक्षकों को बुलाया था।

परमेश्वर ने कहा, ''हमें कई तरह की जानकारी मिली हैं। हमने कुछ लोगों को निलंबित किया है, उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है और कार्रवाई की है। फिर भी यह नाकाफी है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो हम इसे जेल क्यों कहें? हमें इसे जेल नहीं कहना चाहिए।''

राज्य के गृह मंत्री ने कहा, ''क्या यह गलत नहीं होगा अगर जेलों का प्रबंधन ठीक से न किया जाए?'' उन्होंने केंद्रीय कारागार का जिक्र करते हुए कहा, ''बेंगलूरु की जेल राज्य की एक प्रमुख जेल है। अगर वहां ऐसी घटनाएं होती हैं तो हमें कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने कुछ जवाब दिए हैं, लेकिन मैं उनसे संतुष्ट नहीं हूं।''

परमेश्वर ने इस बात को खारिज कर दिया कि सरकार राजनीतिक दबाव में काम कर रही है। उन्होंने कहा, ''विपक्षी भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) को इस मुद्दे पर बोलना चाहिए लेकिन हम यह कार्रवाई इसलिए नहीं कर रहे क्योंकि विपक्ष इस मुद्दे को उठा रहा है। हमारी भी जिम्मेदारी है।''

स्कूल के शौचालय में सहपाठियों ने लड़के को पीटा, गंभीर चोटें आईं

मैसूरु। मैसूरु में एक निजी स्कूल के सातवीं कक्षा के छात्र पर स्कूल के शौचालय में उसके ही तीन सहपाठियों ने कथित तौर पर मारपीट की, जिससे उसके गुप्तांगों में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह घटना पिछले महीने दिवाली के तुरंत बाद घटी थी और मारपीट का यह सिलसिला तीन दिनों तक जारी रहा। पीड़ित की चोटों के लिए सर्जरी करनी पड़ी। पीड़ित लड़के (13) ने संवाददाताओं को बताया कि जब उसने अपने सहपाठियों की गलत हरकतों के बारे में शिक्षक से शिकायत की तो उसे निशाना बनाया।

मंत्री प्रियंक खरगे ने आरएसएस के चंदा लेने के तरीके पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा चंदा प्राप्त करने के तरीके पर सोमवार को सवाल उठाया और उसके वित्तपोषण के तरीकों पर स्पष्टीकरण मांगा। प्रियंक खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' के जरिए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के इस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त की कि संगठन पूरी तरह से अपने स्वयंसेवकों के योगदान से संचालित होता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र ने कहा, ''भागवत ने कहा है कि आरएसएस अपने स्वयंसेवकों द्वारा दिए गए चंदे के माध्यम से काम करता है। हालांकि, इस दावे को लेकर कई वाजिब सवाल उठते हैं।''

उन्होंने पूछा कि ये स्वयंसेवक कौन हैं और उनकी पहचान कैसे की जाती है, वे कितना चंदा देते हैं एवं इसकी प्रकृति क्या है और किन माध्यमों से धन एकत्र किया जाता है। मंत्री ने कहा, ''अगर आरएसएस पारदर्शी तरीके से काम करता है, तो संगठन को उसकी पंजीकृत पहचान के तहत सीधे चंदा क्यों नहीं दिया

जाता?'' उन्होंने जानना चाहा कि औपचारिक रूप से पंजीकृत संस्था न होते हुए भी आरएसएस ने अपना वित्तीय और संगठनात्मक ढांचा कैसे कायम रखा। मंत्री ने यह भी पूछा कि पूर्णकालिक प्रचारकों को कौन वेतन देता है और संगठन के नियमित संचालन संबंधी खर्चों को कौन पूरा करता है तथा बड़े पैमाने के आयोजनों, अभियानों एवं संपर्क गतिविधियों का वित्तपोषण कैसे होता है। उन्होंने स्वयंसेवकों द्वारा ''स्थानीय कार्यालयों'' से गणवेश या सामग्री खरीदे जाने का मुद्दा उठाया और पूछा कि धन का हिसाब कहां रखा जाता है और स्थानीय कार्यालयों एवं अन्य बुनियादी ढांचे के रखरखाव का खर्च कौन उठाता है। मंत्री ने कहा कि ये प्रश्न पारदर्शिता और जवाबदेही के मूलभूत मुद्दे को रेखांकित करते हैं। उन्होंने कहा, ''अपनी व्यापक राष्ट्रीय उपस्थिति और प्रभाव के बावजूद आरएसएस अब भी पंजीकृत क्यों नहीं है?''

उन्होंने कहा, 'जब भारत में हर धार्मिक या धर्मार्थ संस्था को वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है, तो आरएसएस के लिए ऐसी जवाबदेही व्यवस्था न होने का क्या औचित्य है?' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा था कि उनके संगठन को व्यक्तियों के एक समूह के रूप में मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा था, आरएसएस की स्थापना 1925 में हुई थी, तो क्या आप उम्मीद करते हैं कि हम ब्रिटिश सरकार के पास पंजीकरण कराते? उन्होंने कहा था कि आजादी के बाद भारत सरकार ने पंजीकरण अनिवार्य नहीं बनाया।

बेंगलूरु जेल के वीडियो को लेकर भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से इस्तीफा मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु केंद्रीय कारागार में आतंकवाद के मामले में आरोपी समेत कैदियों को विशेष सुविधा मिलने का कथित वीडियो सामने आने के बाद कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग को लेकर बेंगलूरु में प्रदर्शन किया।

सामने आए इस कथित वीडियो में आतंकवाद के मामले में एक आरोपी समेत कैदियों को बेंगलूरु केंद्रीय कारागार में ''विशेष सुविधा'' मिलती दिख रही है। पार्टी ने इस घटना की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराने की भी मांग की है और इसे ''गंभीर सुरक्षा चूक'' बताया है। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र, विधानसभा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता आर. अशोक और एन. चालुवरैया स्वामी समेत पार्टी नेताओं को बाद में मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर मार्च करते समय शिवानंद सर्कल पर एहतियातन हिरासत में ले लिया गया। हाथों में तख्तियां और पोस्टर लिए पार्टी सदस्यों ने सिद्दरामय्या के कार्यालय-आवास 'कृष्णा' तक मार्च निकाला। विजयेंद्र ने पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि कैदियों के साथ किया जा रहा 'शाही व्यवहार' जेल विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और जेल अधिकारियों व अपराधियों के बीच साठगांठ को दर्शाता है। अशोक ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में ''सरकार मर'' चुकी है। उन्होंने कहा कि केवल एनआईए जांच से ही सच्चाई सामने आएगी।

न्यायालय ने हत्या मामले में अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा की पुनर्विचार याचिका खारिज की

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 14 अगस्त के फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा द्वारा दाखिल याचिका खारिज कर दी। शीर्ष अदालत ने 14 अगस्त को रेणुकास्वामी हत्या मामले में उन्हें, अभिनेता दर्शन और अन्य आरोपियों को दी गई जमानत रद्द कर दी थी। अभिनेता दर्शन पर गौड़ा और कई अन्य लोगों के साथ मिलकर 33 वर्षीय रेणुकास्वामी नामक प्रशंसक का अपहरण करने और उसे प्रताड़ित करने का आरोप है, जिसने कथित तौर पर गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि पीड़ित को जून 2024 में तीन दिनों तक बेंगलूरु में रखा गया और उसे प्रताड़ित किया गया। बाद में उसका शव एक नाले से बरामद किया गया। गौड़ा द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ के समक्ष विचार के लिए आई।

भागलपुर और एसएमवीटी बेंगलूरु के बीच एकतरफा विशेष ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, पूर्व रेलवे ने भागलपुर से एसएमवीटी बेंगलूरु के लिए एक अनारक्षित एकतरफा विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 03403 भागलपुर-एसएमवीटी बेंगलूरु अनारक्षित एकतरफा विशेष ट्रेन 12 नवंबर बुधवार को रात 10:30 बजे भागलपुर से प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को रात 11:50 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुँचेगी। रास्ते में यह ट्रेन सुल्तानगंज, जमालपुर जंक्शन, धरहरा, अभयपुर, किऊल, झाझा, जसीडीह जंक्शन, मधुपुर जंक्शन, आसनसोल जंक्शन, दुर्गापुर, बर्द्धमान, अंदुल, खड़गपुर, बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर क्योंझर रोड, कटक, भुवनेश्वर, खुर्दा रोड जंक्शन, ब्रह्मपुर, पलासा, विजयनगरम जंक्शन, कोट्टावलसा, दुव्वाडा, राजमुंदरी, विजयवाड़ा, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर जंक्शन, रेनिगुंटा जंक्शन, काटपाडी जंक्शन, जोलारपेट्टई जंक्शन और कृष्णराजपुरम स्टेशन जंक्शन पर रुकेगी।

वहीं वापसी में दक्षिण पश्चिम रेलवे यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए एसएमवीटी बेंगलूरु से भागलपुर तक एक तरफा अनारक्षित विशेष ट्रेन रवाना करेगी। ट्रेन नंबर 06565 एसएमवीटी बेंगलूरु-भागलपुर अनारक्षित वन-वे स्पेशल एसएमवीटी बेंगलूरु से 15 नवम्बर शनिवार को दोपहर 3:00 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार 17 नवम्बर को दोपहर 02:00 बजे भागलपुर पहुंचेगी। रास्ते में यह ट्रेन कृष्णराजपुरम, काटपाडी, रेनिगुंटा, गुडुर, नेल्लोर, ओंगोल, विजयवाड़ा, राजमुंदरी, दुव्वाडा, विजयनगरम जंक्शन, पलासा, ब्रह्मपुर, खुर्दा रोड, भुवनेश्वर, कटक, भद्रक, खड़गपुर, अंदुल, भट्टा नगर, बर्द्धमान, रामपुरहाट, बरहरवा जंक्शन और साहिबगंज जंक्शन पर रुकेगी। हुब्बल्ली से दक्षिण पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डॉ.मंजुनाथ कनमड़ी ने बताया कि इन ट्रेनों (03403/06565) में 22 कोच होंगे, जिनमें 20 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 एसएलआरडी कोच शामिल होंगे।

वन्यजीव बचाओ अभियान — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बेंगलूरु में सोमवार को राजभवन में वनजीवन बचाओ अभियान के पांचवें संस्करण का उद्घाटन राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने किया। यह अभियान एशियानेट सुवर्णा न्यूज, कन्नड़ प्रभा और कर्नाटक वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर वन, पर्यावरण एवं जीव विज्ञान मंत्री ईश्वर खांडरे, प्रसिद्ध कन्नड़ फिल्म अभिनेता गणेश, अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक कुमार पुष्कर, एशियानेट सुवर्णा न्यूज के प्रधान संपादक अजित हनुमक्कनवर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ईमेल हैक करने वालों ने डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज से 2.16 करोड़ रुपये अपने खाते में हस्तांतरित कराए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साइबर धोखाधड़ी करने वालों ने बेंगलूरु स्थित 'ग्रुप फार्मास्युटिकल्स' और 'डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, हैदराबाद' के बीच आधिकारिक ईमेल संचार को कथित रूप से हैक करके 2.16 करोड़ रुपये अपने खाते में हस्तांतरित कर लिए। डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने हालांकि एक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि कंपनी की टीम और बैंकिंग साझेदारों द्वारा समय पर पता लगाने और त्वरित कार्रवाई के कारण, धनराशि को 'फ्रीज' कर दिया गया है और कोई वित्तीय नुकसान नहीं हुआ है।

बेंगलूरु शहर के साइबर अपराध पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, ग्रुप फार्मास्युटिकल्स के एक वरिष्ठ अधिकारी महेश बाबू के. ने धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई। कंपनी ने प्राथमिकी में कहा कि कुछ सामान की आपूर्ति करने के लिए उसे डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज से 2.16 करोड़ रुपये मिलने थे।

प्राथमिकी में कहा गया है कि तीन नवंबर को कुछ हैकर ने दोनों कंपनियों के बीच ईमेल संचार तक कथित तौर पर अनधिकृत पहुंच प्राप्त कर ली और डॉ रेड्डीज की वित्त एवं लेखा टीम को फर्जी ईमेल भेजे जिनमें उन्होंने स्वयं को 'ग्रुप फार्मास्युटिकल्स' के अधिकारी बताकर अपने बैंक खाते के विवरण प्रदान किए। इसमें कहा गया, इसके परिणामस्वरूप डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज ने चार नवंबर को 2.16 करोड़ रुपये धोखाधड़ी वाले बैंक खाते में भेज दिए। शिकायतकर्ता ने पुलिस से धोखाधड़ी वाले खाते को तुरंत 'फ्रीज' करने और गबन की गई राशि की वसूली करने का अनुरोध किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर पांच नवंबर को अज्ञात साइबर धोखेबाजों के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 318(4) (धोखाधड़ी) एवं 319(2) (छद्मवेश द्वारा धोखाधड़ी) के तहत मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने शुरुआती जांच के हवाले से बताया कि धोखाधड़ी वाला खाता गुजरात के वडोदरा में पाया गया है और जिस प्राथमिक खाते में धोखाधड़ी की राशि हस्तांतरित की गई थी, उसे 'फ्रीज' कर दिया गया है।

पुलिस ने कहा कि मामले की आगे जांच की जा रही है। डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज ने दावा किया, ''इस घटना में एक विक्रेता के ईमेल पते की नकल करके एक वैध भुगतान को पुनर्निर्देशित करने का प्रयास किया गया था। हमारी टीम और बैंकिंग साझेदारों द्वारा समय पर पता लगाने और त्वरित कार्रवाई करने से, धनराशि की निकासी रोक दी गई है और कंपनी या विक्रेता को कोई वित्तीय नुकसान नहीं हुआ है।''

हवाई अड्डे पर नमाज पढ़ने का वीडियो वायरल होने पर भाजपा ने कर्नाटक सरकार पर निशाना साधा

बेंगलूरु। बेंगलूरु शहर के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर मुसलमानों के एक समूह का कथित रूप से नमाज अदा करने का एक वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए राज्य सरकार से जवाबदेही की मांग की है। वीडियो में सुरक्षाकर्मी पास ही खड़े दिखाई दे रहे हैं।

भाजपा की कर्नाटक इकाई के प्रवक्ता विजय प्रसाद ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और मंत्री प्रियंक खरगे से पूछा कि क्या सार्वजनिक स्थान पर नमाज पढ़ने वालों ने राज्य सरकार द्वारा हाल में बनाए गए नियम के अनुसार कोई पूर्व अनुमति ली थी। शनिवार देर रात लिखा, ''बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टी2 टर्मिनल के अंदर इसकी अनुमति कैसे दी गई? माननीय मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और मंत्री प्रियंक खरगे, क्या आपने यह मंजूरी दी?'' भाजपा प्रवक्ता ने कहा, ''क्या इन लोगों ने उच्च सुरक्षा वाले हवाई अड्डे के क्षेत्र में नमाज पढ़ने के लिए पूर्व अनुमति ली थी?''

बेंगलूरु हवाई अड्डे से दो लोगों को पकड़ा गया, विदेशी वन्यजीव प्रजातियां जब्त

बेंगलूरु। सीमा शुल्क अधिकारियों ने यहां केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) पर बैंकॉक से आए दो यात्रियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से विदेशी वन्यजीव प्रजातियां जब्त की हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बेंगलूरु सीमा शुल्क ने पोस्ट में कहा कि नौ नवंबर को केआईए के अधिकारियों ने बैंकॉक से आ रहे दो यात्रियों को रोका और सफेद गाल वाले गिब्बन, बंदर और हॉर्नबिल सहित विदेशी वन्यजीव प्रजातियों को जब्त कर लिया।

व न्यायालय,
श्रीमान् सब जज-1
हिलसा, नालन्दा।
संदर्भः-स्वत्व वाद सं.-124/2024
अविनाश कुमार वल्द राजेन्द्र कुमार साकिन गवड़ापर, हिलसा, पो.+थाना-हिलसा, जिला नालन्दा...वादी
बनाम
1. संचालक सह व्यवस्थापक फिनांसिंग कम्पनी कार्यालय, मेसर्स कैटर पिलर फिनांसियल सर्विस इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, 6th फ्लोर, टावर (बी), प्रेस्टिज शांति निकेतन, द बिजनेस प्रिसिन्ट, वाइटफील्ड मेन रोड, बंगलूरू, कर्नाटक-560048
वजरिये प्रकाशन आप को सूचित हो कि वादी के द्वारा आप प्रतिवादी के विरूद्ध T.S. No 124/24 लाया गया है जिसमें आपकी उपस्थिति हेतु डाक एवं नजारत के माध्यम से सम्मन निर्गत किया गया है। परन्तु अब तक आप न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए हैं अतः समाचार पत्र के माध्यम से आप को सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 26.11.2025 को पूर्वाह्न 10.30 बजे स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थिति होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा मुकदमा एक पक्षीय सुनवायी हेतु निर्धारित की जायेगी।
अवर न्यायाधीश प्रथम श्रेणी
हिलसा, नालंदा

अंता विधानसभा उपचुनाव में 268 बूथों पर सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगी वोटिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंता विधानसभा क्षेत्र में करीब दो वर्ष के अंतराल के बाद एक बार फिर सशक्त लोकतंत्र के लिए जिम्मेदारी का भार कंधों पर लिए मतदान दल के कार्मिकों ने अंतिम प्रशिक्षण के पश्चात सोमवार को जिला मुख्यालय से गंतव्य मतदान केन्द्रों के लिए कूच किया। अंता में विधानसभा उपचुनाव के लिए स्थापित किए गए 268 मतदान केन्द्रों पर (11 नवंबर) मंगलवार को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान होगा। विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,28,264 मतदाता मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे, जिनमें 1,16,783 पुरुष, 1,11,477 महिलाएं और 4 अन्य मतदाता हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बारां के खेल मैदान में आयोजित अंतिम प्रशिक्षण के बाद मतदान दल रवाना हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि मतदान दल के सभी कार्मिक आत्मविश्वास और कुशलता के साथ कार्य करते हुए स्वतंत्र एव निष्पक्ष मतदान कराने के लिए टीम भावना से निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि मतदान केंद्र पर पहुंचते ही सभी मतदान दल अधिकारी अपनी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कर लें। साथ ही परिधि सीमा का निर्धारण, मॉक पोल, प्रपत्र संधारण करते हुए आपसी समन्वय के साथ चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न करवाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या आने पर सम्बंधित सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी को अवगत करवाएं, उन्हें तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण में सभी मतदान दलों को उनके बैठने के स्थान पर ही मतदान सामग्री के बैग व ईवीएम तथा वीवीपेट उपलब्ध कराई गई। इसके पश्चात सभी मतदान दल वाहन काउंटर से वाहन आवंटित कराते हुए चैक पोस्ट पर एन्ट्री करवा कर उत्साह के साथ अपने निर्धारित मतदान केन्द्र के लिए रवाना हुए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं से (11 नवंबर) मंगलवार को होने वाले उपचुनाव में शत-प्रतिशत मतदान की अपील करते हुए कहा कि जागरूक मतदाताओं की वजह से यहां सभी चुनावों में औसत से अधिक मतदान प्रतिशत की परंपरा रही है। इस चुनाव में भी स्वीप कार्यक्रम के माध्यम से आम मतदाताओं तक पहुंच कर उन्हें मतदान के लिए प्रेरित व आमंत्रित किया गया है। सभी मतदाताओं को लोकतंत्र के हित में बढ़-चढ़ कर मतदान में भाग लेना चाहिए। मतदान एक महत्वपूर्ण नागरिक कर्तव्य होने के साथ हमारे लोकतंत्र की मजबूती का आधार भी है।

कल्याणकारी योजनाओं में 7.2 लाख श्रमिकों को 804 करोड़ रुपये की राशि वितरित

जयपुर। राजस्थान सरकार ने पिछले दो साल में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत 7.2 लाख से अधिक पंजीकृत श्रमिकों को लगभग 804 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, विभिन्न राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में 555 करोड़ रुपये से अधिक की राशि पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से दी गयी है। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में श्रमिक कल्याण की विभिन्न योजनाओं का सुचारू संचालन किया जा रहा है और केवल श्रमिक ही नहीं बल्कि उसके परिवार की गरिमा और सुरक्षा का ध्यान भी राज्य सरकार रख रही है। इसके मुताबिक, श्रमिकों के बच्चों के जन्म से लेकर पढ़ाई, विवाह व बीमारी में भी प्रदेश सरकार मजबूती से उनके साथ खड़ी है। बयान में कहा गया है कि निर्माण श्रमिक शिक्षा व कौशल विकास योजना के तहत श्रमिकों के बच्चों को छात्रवृत्ति दी जाती है और इसके तहत कक्षा छह से आगे की पढ़ाई के लिए आठ हजार रुपये से लेकर 25 हजार रुपये तक की छात्रवृत्ति दी जाती है। इसमें कहा गया है कि आठवीं कक्षा से आगे अध्ययनरत मेधावी छात्र-छात्राओं को चार हजार रुपये से लेकर 35 हजार रुपये तक की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

वंदे मातरम गीत एवं स्वदेशी संकल्प से गूंजा शासन सचिवालय परिसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को शासन सचिवालय परिसर में 'वंदे मातरम150 एवं स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम' का आयोजन हुआ। देशभक्ति और स्वदेशी भावना से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में मुख्य सचिव सुधांश पंत मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य सचिव सुधांशु पंत के प्रेरणादायक उद्बोधन से हुई। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर अत्यंत गौरवशाली और गर्व का क्षण है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखित और गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा संगीतबद्ध वंदे मातरम को वर्ष 1896 में पहली बार सार्वजनिक रूप से गाया गया और उसके बाद यह पूरे आंदोलन का प्रतीक बन गया।

उन्होंने कहा कि 150 वर्षों की यात्रा में वंदे मातरम ने भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और राष्ट्रवादी चेतना को निरंतर प्रेरित किया है। केन्द्र सरकार द्वारा वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर इस गीत की भावना और उसके ऐतिहासिक महत्व को पुनः जाग्रत करने के लिए एक राष्ट्रीय स्मृति पहल की शुरूआत की गई है। इसके तहत देशव्यापी उत्सवों के माध्यम से नागरिकों, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों, को इस गीत की मूल राष्ट्रीय भावना से जोड़ा जाएगा।

मुख्य सचिव के उद्बोधन के पश्चात सचिवालय परिसर में एक स्थान, एक समय, एक गीत वंदे मातरम की थीम पर सामूहिक गायन का आयोजन हुआ। सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उपस्थित जन ने एक स्वर में 'वंदे मातरम' का गायन किया। इसके पश्चात मुख्य सचिव ने सभी को 'स्वदेशी संकल्प' के तहत स्थानीय उत्पादों के उपयोग, भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता देने और पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव, विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि 'वंदे मातरम 150' कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत आगामी दिनों में नगर निकायों, पंचायत राज संस्थानों, शिक्षण संस्थाओं, अस्पतालों और पुलिस थानों में भी स्वदेशी संकल्प एवं राष्ट्रगीत गायन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कई जगह न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है जहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया जा रहा है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, सोमवार सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान न्यूनतम तापमान फतेहपुर (सीकर) में 6.8 डिग्री और नागौर में 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा न्यूनतम तापमान लूणकरणसर और दौसा में 8.7 डिग्री, अलवर में 9.0 डिग्री, सिरोही में 9.1 डिग्री, चूरू में 9.6 डिग्री व पिलानी में 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा। बीते चौबीस घंटे में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 33.6 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य में मौसम अभी शुष्क रहने का अनुमान है।

सड़क दुर्घटना रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना पर काम करें अधिकारी : सोनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिला प्रशासन सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण एवं सड़क सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करने को लेकर सजग एवं प्रतिबद्ध है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जयपुर जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी एवं परिणामोन्मुख कार्ययोजना तैयार कर उसका कड़ाई से क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को आयोजित जिला सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन समिति की बैठक में डॉ. सोनी ने हाल ही में हुई सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए उनके पुनरावृत्ति रोकने के उपायों पर मंथन किया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि सड़क सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित अधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी।

कलक्टर डॉ. सोनी ने निर्देश दिए कि रोड सेफ्टी प्रोटोकॉल की सख्ती से पालना की जाए तथा जयपुर में ट्रैफिक जाम से निपटने के लिए ठोस रणनीति बनाई जाए। उन्होंने सर्विस लेन से अतिक्रमण हटाने, सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई करने, राजमार्गों पर अवैध कट बंद करवाने, लेन सिस्टम को सख्ती से लागू करने, ट्रैफिक एड पोस्ट के संचालन को प्रभावी बनाने तथा टी-पॉइंट्स पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को मिडियन कट्स बंद करने एवं फ्लाईओवर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पुराने और क्षतिग्रस्त साइनेज को बदलकर नए साइनेज लगाने तथा उन पर किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री नहीं लगाने के लिए आमजन से अपील की गई। जिला कलक्टर ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों पर स्पीड लिमिट साइनेज बोर्ड लगाने, ब्लैक स्पॉट्स का निवारण करने और अनधिकृत पार्किंग, बिना रिफ्लेक्टर टेप वाहनों पर सख्ती से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में ज्वलनशील पदार्थों वाले वाहनों की जीपीएस ट्रैकिंग, रूट उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई, टोल नाकों पर नशे में वाहन चलाने वालों की निगरानी तथा बेसहारा पशुओं को रेडियम पट्टी लगाने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

श्रमिकों की गरिमा, सुरक्षा और समावेशी विकास हो सुनिश्चित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। श्रमिक वर्ग किसी भी देश या प्रदेश के विकास में विश्वकर्मा की भूमिका निभाता है। उनके कठोर परिश्रम से ही समाज और राष्ट्र की प्रगति का ढांचा तैयार होता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि श्रमिकों की सुरक्षा और उनका गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए। इसी लक्ष्य के तहत वर्तमान सरकार के कार्यकाल में विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं के माध्यम से विगत 2 वर्षों में ही 7 लाख 20 हजार से अधिक पात्र श्रमिकों को 804 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता दी जा चुकी है। विभिन्न राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में 555 करोड़ रुपए से अधिक की राशि पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को डीबीटी के माध्यम से दी गयी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में श्रमिक कल्याण की विभिन्न योजनाओं का सुचारू संचालन किया जा रहा है। केवल श्रमिक ही नहीं बल्कि उसके परिवार की गरिमा और सुरक्षा का ध्यान भी राज्य सरकार रख रही है। श्रमिकों के बच्चों के जन्म से लेकर पढ़ाई, विवाह व बीमारी में भी प्रदेश सरकार मजबूती से उनके साथ खड़ी है।

राज्य सरकार द्वारा संचालित निर्माण श्रमिक शिक्षा व कौशल विकास योजना में निर्माण श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा व कौशल विकास के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छात्रवृत्ति दी जाती है। इसके तहत कक्षा 6 से आगे की पढाई के लिए 8 हजार रूपये से लेकर 25 हजार रुपए तक की छात्रवृत्ति दी जाती है। साथ ही 8 वीं कक्षा से आगे अध्ययनरत मेधावी छात्र-छात्राओं को 4 हजार रूपये से लेकर 35 हजार रूपये तक की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाती है। विगत 2 वर्षों में इस योजना के तहत करीब 6 लाख 90 हजार 612 श्रमिकों को 743 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता दी जा चुकी है।

राज्य में संचालित 'प्रसूति सहायता योजना' के अन्तर्गत पंजीकृत महिला श्रमिक अथवा श्रमिक की पत्नी के प्रसव पर पुत्र जन्म पर 20 हजार और पुत्री के जन्म पर 21 हजार रुपए दिए जाते हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 10 हजार से अधिक श्रमिक परिवारों को 5 करोड़ 54 लाख 30 हजार रुपए की सहायता दी गयी है। साथ ही सामान्य मृत्यु या दुर्घटना में घायल व मृत्यु से प्रभावित परिवार को 5 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता की जाती है। इस योजना के तहत पिछले दो वर्षों में 5 हजार से अधिक परिवारों को लगभग 52 करोड़ 50 लाख रूपये की सहायता दी गयी है।

श्रमिकों के औजार उनके हाथों का श्रृंगार होते हैं जिनसे वे महीन नक्काशी से लेकर गगन चुम्बी इमारतों का निर्माण करते हैं। राज्य सरकार निर्माण श्रमिकों को टूलकिट सहायता योजना के तहत औजार खरीदने पर 2000 रुपए तक की मदद भी दे रही है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 13 हजार 691 श्रमिकों को 2 करोड़ 73 लाख रूपए से अधिक की राशि दी जा चुकी है। श्रमिक वर्ग जीवनपर्यंत कड़ी मेहनत और लगन से देश के विकास की बुनियाद और भविष्य बनाते हैं। राज्य सरकार ने भी उनके जीवन को सुरक्षित और सुलभ बनाने का संकल्प लिया है। इसी दिशा में श्रमिकों के लिए संचालित निर्माण श्रमिक जीवन व भविष्य सुरक्षा योजना में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना से उन्हें लाभान्वित करने के लिए उनके अंशदान का आंशिक व पूर्ण पुनर्भरण किया जाता है। श्रमिकों के जीवन व सामाजिक स्तर में सुधार के लिए राज्य सरकार ने उनके पूरे परिवार को आत्मनिर्भर बनाने का प्रण लिया है। इसी उद्देश्य से उनके बच्चों को भारतीय प्रशासनिक सेवाओं की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर एक लाख तथा राजस्थान प्रशासनिक सेवा की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इस योजना के तहत विगत दो वर्षों में 80 लोगों को 40 लाख रुपए की सहायता दी जा चुकी है। साथ ही आईटी आईआईएम में प्रवेश मिलने पर भी ट्यूशन फीस का पुनर्भरण सरकार द्वारा किया जाता है। श्रमिकों एवं उनके बच्चों को अंतर्राष्ट्रीय खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए भी राज्य सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता योजना संचालित की है। इसके तहत अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने पर 2 लाख, कांस्य पदक जीतने पर 5 लाख, रजत पदक हासिल करने पर 8 लाख और स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर 11 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। विगत 2 वर्षों में इन योजनाओं में अभूतपूर्व कार्य कर श्रमिकों के जीवन के हर पड़ाव पर उनका साथ दिया जा रहा है।

पंचायत-निकाय चुनाव से 'दो बच्चों' की बाध्यता हटाने की कवायद

जयपुर। राजस्थान सरकार ने पंचायत राज व स्थानीय निकाय चुनाव से प्रत्याशी के 'दो ही बच्चे' होने शर्त हटाने की कवायद शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए राजस्थान पंचायती राज अधिनियम और राजस्थान नगर पालिका अधिनियम में संशोधन हेतु अध्यादेश लाया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अध्यादेश लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके तहत उस बाध्यता को हटाया जाएगा जो दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करती है।

एक अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित अध्यादेश के मसौदे पंचायती राज विभाग द्वारा विधि विभाग को समीक्षा के लिए भेज दिए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि अनुमोदन के बाद प्रस्ताव को मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए रखा जाएगा। इन अधिनियम के संबंधित प्रावधान उन लोगों को उक्त चुनाव लड़ने से रोकते हैं जिनके यहां 27 नवंबर, 1995 के बाद तीसरी संतान हुई। फिलहाल इस श्रेणी के लोग पंच, सरपंच, उप-सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य, प्रधान, जिला प्रमुख, पार्षद, अध्यक्ष या महापौर जैसे पदों के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते। अयोग्यता संबंधी यह प्रावधान राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 24 और पंचायती राज अधिनियम के संबंधित प्रावधानों में निहित है।

इस कदम से राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस, दोनों दलों के कई नेताओं को फायदा होने की उम्मीद है जो संबंधित अधिनियम के मौजूदा प्रावधान के तहत निकाय व पंचायती राज चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित हैं।

महिला अधिकारिता निदेशालय पर 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का दिया गया संदेश

जयपुर/दक्षिण भारत । राष्ट्र गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर, राज्य में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) एवं निदेशालय महिला अधिकारिता मुख्यालय पर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया गया। निदेशक, आईसीडीएस वासुदेव मालावत ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वंदे मातरम गीत की ऐतिहासिक भूमिका के सम्मान में नागरिकों में देशभक्ति, एकता व आत्मनिर्भरता की भावना जाग्रत करने के उद्देश्य से दिनांक 07 से 15 नवम्बर 2025 तक राज्यध्जिलाध्ब्लॉक स्तर पर विभिन्न कार्यकमों के आयोजन की श्रृंखला में आईसीडीएस मुख्यालय पर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया। निदेशक मालावत ने बताया कि इसी क्रम में 13 नवम्बर (गुरूवार) के दिन राज्य की 63 हजार आंगनबाड़ियों में भी राष्ट्र गीत वंदे मातरम का गायन किया जायेगा। वंदे मातरम के साथ ही ''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'' की शपथ- महिला अधिकारिता आयुक्त नीतू राजेश्वर ने बताया कि महिला अधिकारिता, मुख्यालय पर सोमवार को विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों ने विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपस्थिति में सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया। इस अवसर पर नुक्कड नाटक का मंचन कर, ''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'' का संदेश देकर 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'' की शपथ भी दिलाई गई।

फलोदी सड़क दुर्घटना: उच्चतम न्यायालय ने एनएचएआई, सड़क परिवहन मंत्रालय से जवाब मांगा

नयी दिल्ली/जयपुर। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान के फलोदी क्षेत्र में दो नवंबर को हुई दुर्घटना का स्वत: संज्ञान लेते हुए सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से जवाब मांगा। इस दुर्घटना में 15 लोगों की मौत हो गई थी। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने एनएचएआई और मंत्रालय को नोटिस जारी कर दुर्घटना के कारणों पर दो सप्ताह में जवाब मांगा है। पीठ ने उनसे क्षेत्र का सर्वेक्षण करने और फलोदी से गुजरने वाले राजमार्ग पर ढाबों की संख्या पर एक रिपोर्ट दाखिल करने को भी कहा है। शीर्ष अदालत ने फलोदी में दो नवंबर को हुए सड़क हादसे का स्वतः संज्ञान लिया है। इस दुर्घटना में एक टेम्पो ट्रैवलर के एक खड़े ट्रक से टकरा जाने से 10 महिलाओं और चार बच्चों समेत 15 लोगों की मौत हो गई थी। यह हादसा भारत माला राजमार्ग पर मतोड़ा गांव के पास उस समय हुआ जब टेम्पो ट्रैवलर बीकानेर के कोलायत मंदिर से जोधपुर जा रहा था।

पशुपालन विभाग में 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। 'वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज पशुपालन विभाग में देशभक्ति और गर्व की भावना से ओतप्रोत वंदे मातरम का सामूहिक वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के सभी अधिकारी एवं कार्मिकों ने 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन कर राष्ट्रमाता भारत के प्रति अपनी श्रद्धा और समर्पण व्यक्त किया।

इस सामूहिक गायन में दस्तावेज सत्यापन के लिए आए पशुधन निरीक्षक अभ्यर्थियों ने भी हिस्सा लिया। लगभग 300 लोगों ने राष्ट्रगीत के प्रति अपना सम्मान प्रदर्शित करते हुए सामूहिक गायन किया ओर देशभक्ति के नारे लगाए।

इस अवसर पर विभाग के निदेशक डॉ आनंद सेजरा ने कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्तों के लिए प्रेरणा का प्रमुख स्रोत रहा है। उन्होंने कहा कि यह गीत केवल एक रचना नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय अस्मिता, एकता और आत्मगौरव का प्रतीक है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों का आह्वान किया कि वे इस भावना को अपने कार्य और जीवन में भी आत्मसात करें।

यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत में कोई नया जिन्ना फिर न उभरे: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ऑल इंडिया मुस्लिम लीग के नेताओं मोहम्मद अली जिन्ना और मोहम्मद अली जौहर का हवाला देते हुए कहा कि जो लोग राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' का विरोध करते हैं, वे भारत की एकता और अखंडता का अपमान कर रहे हैं।

आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 'एकता यात्रा' और सामूहिक ''वंदे मातरम'' गायन में भाग लेने के दौरान कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि आज भी भारत में रहने वाला हर व्यक्ति राष्ट्र के प्रति वफादार रहेगा और इसकी एकता के लिए काम करेगा।'' उन्होंने कहा, ''हमारा कर्तव्य है कि हम उन सभी तत्वों की पहचान करें और उनका विरोध करें जो समाज को विभाजित करते हैं, चाहे वह जाति, क्षेत्र या भाषा के नाम पर क्यों न हो। ये विभाजन नए जिन्ना बनाने की साजिश का हिस्सा हैं।''

आदित्यनाथ ने लोगों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि भारत में फिर कभी कोई नया जिन्ना न उभरे और अगर कोई देश की अखंडता को चुनौती देने की हिम्मत करता है तो ''हमें ऐसी विभाजनकारी मंशा को सिर उठाने से पहले ही उसे दबा देना चाहिए।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''भारत के प्रत्येक नागरिक को इस उद्देश्य के लिए एकजुट होना चाहिए।''

मोहम्मद अली जिन्ना 1913 से 14 अगस्त 1947 को पाकिस्तान के निर्माण तक ऑल इंडिया मुस्लिम लीग के नेता रहे। इसके बाद वह एक साल बाद 1948 में अपनी मृत्यु तक पाकिस्तान के पहले गवर्नर-जनरल बने। मोहम्मद अली जौहर ऑल इंडिया मुस्लिम लीग के सह-संस्थापक थे। आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का अनादर करने का आरोप लगाते हुए राज्य के सभी विद्यालयों में इसका गायन अनिवार्य किए जाने का ऐलान किया है। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद अली जौहर पर वंदे मातरम का विरोध करने का आरोप लगाया और कहा कि इस पार्टी ने यदि वंदे मातरम के माध्यम से भारत की राष्ट्रीयता का सम्मान किया होता तो देश का विभाजन नहीं होता। मुख्यमंत्री ने 'एकता यात्रा' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए। उत्तर प्रदेश के हर विद्यालय और हर शिक्षण संस्थान में हम इसका गायन अनिवार्य करेंगे।'' उन्होंने कहा कि इससे उत्तर प्रदेश के हर नागरिक के मन में भारत माता के प्रति, अपनी मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव जागृत हो सकेगा।

आदित्यनाथ ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, ''कुछ लोगों के लिए आज भी भारत की एकता और अखंडता से बढ़कर उनका मत और मजहब हो जाता है। उनकी व्यक्तिगत निष्ठा महत्वपूर्ण हो जाती है। वंदे मातरम के विरोध का कोई औचित्य नहीं है।''

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''वंदे मातरम के खिलाफ विषवमन हो रहा है। कांग्रेस के अधिवेशन में 1896-97 में स्वयं गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर ने पूरे वंदे मातरम का गायन किया था और 1896 से लेकर 1922 तक कांग्रेस के हर अधिवेशन में वंदे मातरम का गायन होता था लेकिन 1923 में जब मोहम्मद अली जौहर कांग्रेस के अध्यक्ष बने तो वंदे मातरम का गायन शुरू होते ही वह उठकर चले गए। उन्होंने वंदे मातरम गाने से इनकार कर दिया। वंदे मातरम का इस प्रकार का विरोध भारत के विभाजन का दुर्भाग्यपूर्ण कारण बना था।'' आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने अगर उस समय मोहम्मद अली जौहर को अध्यक्ष पद से बेदखल करके वंदे मातरम के माध्यम से भारत की राष्ट्रीयता का सम्मान किया होता तो भारत का विभाजन नहीं होता। उन्होंने दावा किया, ''बाद में कांग्रेस ने वंदे मातरम में संशोधन करने के लिए एक कमेटी बनाई। 1937 में रिपोर्ट आई और कांग्रेस ने कहा कि इसमें कुछ ऐसे शब्द हैं जो भारत माता को दुर्गा के रूप में, लक्ष्मी के रूप में, सरस्वती के रूप में प्रस्तुत करते हैं, इनको संशोधित कर दिया जाए।''

एसआईआर 'वोटबंदी' की प्रक्रिया, यह तत्काल बंद की जानी चाहिए : ममता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने को 'वोटबंदी' करार दिया और आयोग से यह प्रक्रिया तत्काल रोकने की मांग की।

बनर्जी ने यह भी कहा कि वह चुनाव से ठीक पहले एसआईआर कराने की ''जल्दबाजी'' को समझ नहीं पा रही हैं। उन्होंने सिलीगुड़ी में संवाददाताओं से कहा, ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार एसआईआर के नाम पर लोगों को परेशान कर रही है। जैसे कुछ मुद्राओं को चलन से बाहर करना 'नोटबंदी' थी, वैसे ही एसआईआर 'वोटबंदी' है। यह 'सुपर इमरजेंसी' का ही एक और रूप है।''

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''चुनाव से ठीक पहले एसआईआर कराने की इतनी जल्दी मुझे समझ नहीं आ रही। निर्वाचन आयोग को यह प्रक्रिया तुरंत बंद करनी चाहिए। मतदाता सूची का पुनरीक्षण दो या तीन महीने में पूरा नहीं हो सकता। इसे जबरन अंजाम दिया जा रहा है।''

बनर्जी ने कहा कि भाजपा एसआईआर के खिलाफ बोलने पर उन्हें जेल भेज सकती है या उनका गला भी काट सकती है। उन्होंने सरकार से लोगों के मताधिकार पर अंकुश नहीं लगाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की आलोचना की और इसे एक ''भूल'' बताया, जिसे वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, '' केंद्र सरकार जनता को जीएसटी के नाम पर लूट रही है।''

ओडिशा में कई स्थानों पर 15 डिग्री सेल्सियस से भी कम तापमान दर्ज किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में सोमवार को 10 से अधिक स्थानों पर पारा 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया। इसी के साथ अगले दो दिनों में तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग(आईएमडी) ने यह जानकारी दी।

बुलेटिन में बताया गया कि राज्य का सबसे ठंडा स्थान कंधमाल जिले का उदयगिरि रहा, जहां सोमवार को न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राज्य की राजधानी भुवनेश्वर में न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो रविवार को 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

बुलेटिन के अनुसार, कई स्थानों पर पारा 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया था। इनमें दारिंगबाड़ी में 10 डिग्री सेल्सियस, फुलबानी में 11, चिपिलिमा में 11.8, सेमिलिगुडा में 12.2, राउरकेला में 12.5, क्योंझर में 13.8 और ढेंकनाल में 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी ने अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की और गिरावट का अनुमान लगाया है।

नीतीश मुख्यमंत्री हैं और रहेंगे, इसमें कोई भ्रम नहीं : सम्राट चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के उप मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सम्राट चौधरी ने बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से एक दिन पहले सोमवार को कहा कि इसको लेकर कोई भ्रम नहीं चाहिए कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जबकि जनता जानती है कि लालू प्रसाद का परिवार तथा राहुल गांधी भ्रष्टाचार के प्रतीक हैं। भाजपा नेता ने कहा कि यदि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनी तो अदालत से आग्रह किया जाएगा कि चारा घोटाला, ''नौकरी के बदले जमीन'' घोटाला, बाढ़ घोटाला और अलकतरा घोटाला में जब्त की गई जमीन पर स्कूल और कॉलेज स्थापित किए जाएं।

दूसरे चरण के मतदान से एक दिन पहले यहां मीडिया सेंटर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सम्राट चौधरी ने कहा, नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं और आगे भी रहेंगे, इसमें किसी तरह का भ्रम नहीं है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, अराजकता और कानून के राज से कभी समझौता नहीं किया जा सकता। उनका कहना था कि राजग बिहार के आम लोगों के लिए लगातार काम करती रही है और करती रहेगी। उप मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से अपील की कि वे पहले चरण की तरह दूसरे चरण में भी बढ़-चढ़कर मतदान करें, ताकि राज्य में कानून का राज और विकास की निरंतरता बनी रहे। चौधरी ने कहा, राजद 'कंफ्यूज' भी है और 'डिफ्यूज' भी। तेजस्वी यादव को राजद का दूसरा प्रतिनिधि बताया जा सकता है। वे जनवरी से अब तक कई बार घोषणा पत्र जारी कर चुके हैं। जनता जानती है कि लालू परिवार लूट, अराजकता और भ्रष्टाचार के लिए जाना जाता है। चुनाव हारने के डर से वे प्रधानमंत्री और चुनाव आयोग पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, इस चुनाव में राजद कहीं मुकाबले में नहीं दिखता। महागठबंधन के नेता खुद भ्रम में हैं। राहुल गांधी तो अभी से ही 'वोट चोरी' का नारा देने लगे हैं। विकास के मुद्दे पर सम्राट चौधरी ने कहा कि 2005 से 2020 तक बिहार में बुनियादी ढांचे में व्यापक परिवर्तन हुआ है। जिस बिहार में कभी 8,000 किलोमीटर सड़कें थीं, आज वहां लगभग 1.5 लाख किलोमीटर सड़कें बन चुकी हैं। उन्होंने कहा, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। आज बिहार के 38 जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

नीतीश सरकार ने शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा की व्यवस्था नष्ट कर बिहार को बर्बाद किया: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को नष्ट कर राज्य को बर्बाद कर दिया है।

राहुल गांधी ने सोमवार को 'जेनरेशन जेड' के एक समूह के साथ अपनी हालिया बातचीत का एक वीडियो 'एक्स' पर जारी किया और कहा कि यह पीढ़ी 'सत्य' और 'अहिंसा' में विश्वास करती है और भारत को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएगी। 'जेनरेशन जेड' उन लोगों को कहते हैं जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''भारत की 'जेनरेशन जेड' की ऊर्जा मुझे आशा देती है। यह पीढ़ी सत्य और अहिंसा में विश्वास करती है, करुणा और साहस रखती है तथा भारत को एक उज्ज्वल, अधिक न्यायपूर्ण भविष्य की ओर ले जाएगी। मैं उन्हें राजनीतिक क्षेत्र में कदम रखते हुए देखने के लिए उत्साहित हूं।'' राहुल गांधी ने युवाओं के साथ कई बिंदुओं पर खुलकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कह रही है कि दलित, आदिवासी, अति पिछड़ा या मुसलमान कोई भी हो, सभी को समान अवसर मिलना चाहिए और सारी संपत्ति एक या दो हाथों में केंद्रित नहीं होनी चाहिए। बिहार से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा, ''20 साल से वहां नीतीश कुमार की सरकार है और उन्होंने बिहार को बर्बाद कर दिया है। दूसरी बात, शिक्षा व्यवस्था, चाहे वह प्राथमिक हो या माध्यमिक, विवि हो या कॉलेज, पूरी शिक्षा व्यवस्था खत्म हो चुकी है। एक के बाद एक पेपर लीक हो रहे हैं... विश्वविद्यालयों में आरएसएस के कुलपति बिठा दिए गए हैं।'' राहुल गांधी ने दावा किया कि स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था भी बर्बाद हो गई है। यह वीडियो बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान से एक दिन पहले आया है। बिहार चुनाव में पहले चरण का मतदान छह नवंबर को हुआ था और दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होना है।

परीक्षा में खराब प्रदर्शन करने वाले बच्चों की तरह बहाने बना रहे राजग नेता : कांग्रेस सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य सैयद नासिर हुसैन ने सोमवार को आरोप लगाया कि बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता ऐसे बहाने बना रहे थे जैसे परीक्षा में खराब प्रदर्शन करने वाले बच्चे बनाते हैं, जबकि उन्हें अपने 20 साल के शासन का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखना चाहिए था।

हुसैन ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने चुनावी सभाओं में अनुचित भाषा का इस्तेमाल कर राजनीतिक संवाद के स्तर को गिराया है। उन्होंने कहा, चुनाव प्रचार के दौरान राजग को बिहार में अपने 20 साल के शासन का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखना चाहिए था, लेकिन उन्होंने वही बहाने बनाए, जैसे परीक्षा में खराब प्रदर्शन करने वाले बच्चे बनाते हैं। कर्नाटक से राज्यसभा सांसद हुसैन ने दावा किया कि बिहार के प्रवासी मजदूर देशभर में कठिन और अपमानजनक परिस्थितियों में काम करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा, अगर राजग ने सच में बिहार में विकास किया होता, तो 1.5 करोड़ लोग राज्य छोड़कर बाहर क्यों काम कर रहे हैं? हुसैन ने कहा कि राजग सरकार बिहार में रोजगार सृजन करने में नाकाम रही है, जबकि राज्य की भूमि उपजाऊ है और उसमें अपार विकास की संभावनाएं हैं।

बिहार पर 'बाहरी' नियंत्रण की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता ऐसा नहीं होने देगी : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी प्रसाद यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के ''प्रभाव में काम कर रहा है'' और अब तक पहले चरण के मतदान में पुरुष एवं महिला मतदाताओं की संख्या का खुलासा नहीं किया गया है।

पटना में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने कहा, ''पहले चरण के मतदान के बाद निर्वाचन आयोग तुरंत आंकड़े जारी करता था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं किया गया। आयोग ने काम करना बंद कर दिया है और मोदी-शाह के नियंत्रण में आ गया है।'' तेजस्वी ने दावा किया, ''बिहार में चुनावी ड्यूटी के लिए कुल 208 कंपनियां उन राज्यों से भेजी गई हैं, जहां भाजपा की सरकारें हैं।'' उन्होंने कहा, ''राज्य में 68 प्रतिशत पुलिस पर्यवेक्षक भी भाजपा शासित राज्यों से आए हैं।''

राजद नेता ने कहा, ''बिहार को 'बाहरी' लोगों द्वारा नियंत्रित करने की साजिश चल रही है, लेकिन बिहार की जनता इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी। अमित शाह और अन्य लोग बिहार पर नियंत्रण चाहते हैं, लेकिन यह संभव नहीं होगा।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए तेजस्वी ने कहा, ''प्रधानमंत्री बिहार आए, लेकिन उन्होंने सकारात्मक मुद्दों पर बात नहीं की। उन्होंने न तो बेरोजगारी पर बात की, न ही पलायन, महंगाई या भ्रष्टाचार पर।'' तेजस्वी ने व्यंग्य करते हुए कहा, ''मुझे नहीं पता कि प्रधानमंत्री इन दिनों कैसी वेब सीरीज देख रहे हैं। उन्होंने अपने मंच को ऐसे लोगों से साझा किया जो आपराधिक पृष्ठभूमि के हैं-जैसे हुलास पांडे, आनंद मोहन, सुनील पांडे और मनोरमा देवी। क्या ये ईमानदार नेता हैं?'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने सम्राट चौधरी, डॉ. दिलीप जायसवाल और मंगल पांडे जैसे नेताओं के बारे में कुछ नहीं कहा। उन्होंने पटना में सृजन घोटाले के मुख्य आरोपी विपिन शर्मा से भी मुलाकात की।''

आरपीएफ ने 10 महीनों में पूर्वी रेलवे क्षेत्र से 45 मानव तस्करों को गिरफ्तार किया: अधिकारी

कोलकाता/भाषा। पूर्व रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 'ऑपरेशन आहट' के तहत 31 अक्टूबर तक, बीते 10 महीनों में अपने चार मंडल में 92 किशोरों सहित 108 लोगों को बचाया है और 45 मानव तस्करों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बल ने इस वर्ष एक जनवरी से 31 अक्टूबर तक ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत देखभाल और संरक्षण की जरूरत वाले 976 बच्चों (591 लड़कों और 385 लड़कियों) को भी बचाया है।

पूर्व रेलवे के अधिकारी ने बताया कि ऑपरेशन आहट (मानव तस्करी के खिलाफ कार्रवाई) के तहत आरपीएफ ने 23 मामलों का पता लगाया, तस्करी के शिकार 108 लोगों को बचाया - जिनमें 92 किशोर और 16 वयस्क थे और हावड़ा, सियालदह, आसनसोल और मालदा मंडल में 45 मानव तस्करों को गिरफ्तार किया। उन्होंने एक बयान में कहा कि ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत बचाए गए 976 बच्चों में से 389 हावड़ा मंडल में, 280 आसनसोल मंडल में, 191 मालदा मंडल में और 116 सियालदह मंडल में बचाए गए।

अधिकारी ने बताया कि बचाए गए सभी बच्चों को उनकी उचित देखभाल और पुनर्वास के लिए 'चाइल्ड हेल्पलाइन' और बाल कल्याण समितियों को सौंप दिया गया है।

इंदौर के व्यक्ति ने सहेजीं 'वंदे मातरम्' की निशानियां, मुर्मू और मोदी को भेजे दुर्लभ बटन

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर के एक व्यक्ति ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की विरासत से जुड़ी अलग-अलग दुर्लभ वस्तुएं सहेजी हैं। इनमें देशभक्ति का ज्वार पैदा करने वाले इस तराने के ग्रामोफोन रिकॉर्ड और 'वंदे मातरम' का नारा लिखे ऐतिहासिक बटन शामिल हैं।

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के रचे राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को इस वर्ष 150 वर्ष पूरे हुए हैं। इस मौके पर देश भर में कई कार्यक्रम हो रहे हैं।

दुर्लभ वस्तुओं के संग्राहक जफर अंसारी ने सोमवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उन्होंने पिछले तीन दशक में अलग-अलग जगहों से 'वंदे मातरम' की विरासत से जुड़ी राष्ट्रीय महत्व की कई चीजें जुटाई हैं। उन्होंने बताया, ''इन चीजों में करीब 20 ग्रामोफोन रिकॉर्ड भी हैं। इन रिकॉर्ड में वंदे मातरम् के बांग्ला, हिन्दी और मराठी संस्करणों वाले गीत हैं जिन्हें सुनकर देशभक्ति की भावना मजबूत होती है। अंसारी ने बताया कि उनके संग्रह में 'वंदे मातरम' के बटन भी शामिल हैं जिन्हें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा खादी के जैकेट पर लगाया जाता था। उन्होंने बताया, ''धातु के बने इन बटन पर राष्ट्रध्वज तिरंगे और चरखे के साथ हिन्दी में वंदे मातरम् उत्कीर्ण है। मैंने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं सालगिरह पर इन बटन का एक-एक सेट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजा है।'' अंसारी के मुताबिक, उनके पास उस तिरंगे की 1937 में कागज पर छापी गई प्रतिकृति भी है जिसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मैडम भीकाजी कामा ने जर्मनी में 1907 के दौरान एक कार्यक्रम में फहराया था। उन्होंने बताया, ''मैडम भीकाजी कामा के विदेशी धरती पर तिरंगा फहराए जाने की ऐतिहासिक घटना के 30 साल बाद पुणे की एक प्रिंटिंग प्रेस ने इस झंडे की प्रतिकृति कागज पर छापी थी। इस झंडे के बीचों-बीच हिन्दी में वंदे मातरम् लिखा गया है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लोगों में इस झंडे की प्रतिकृति बांटकर देशभक्ति और आजादी की अलख जगाई जाती थी।''

बिहार चुनाव में 'ऐतिहासिक' जीत को लेकर भाजपा आश्वस्त, राहुल पर 'पर्यटक' वाला तंज कसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 'निर्णायक और ऐतिहासिक' जीत का भरोसा जताया। इसके साथ ही भाजपा ने मध्य प्रदेश के 'सतपुड़ा बाघ संरक्षित क्षेत्र' में जंगल सफारी को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा और उनसे अपने 'राजनीतिक पर्यटन' का आनंद लेने को कहा। यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने तेजस्वी यादव की भी आलोचना की और निर्वाचन आयोग पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता के आरोपों को 'झूठा' बताया। उन्होंने दावा किया कि मनचाहा परिणाम नहीं मिलने पर 'लोकतंत्र के सभी अंगों' पर हमला करना विपक्षी नेताओं की आदत बन गई है।

भाजपा शासित राज्यों से सुरक्षाकर्मियों की कुल 208 कंपनियां बिहार में चुनाव ड्यूटी के लिए तैनात किए जाने संबंधी यादव के दावे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता ने कहा, ''क्या हमने बिहार में पुलिस (सुरक्षा बल) या निर्वाचन आयोग भेजा था? झूठे आरोप लगाते हुए, वह इस स्तर तक गिर गए हैं।'' पहले चरण के चुनाव में वोट डालने वाले मतदाताओं का डेटा लैंगिकता-वार सार्वजनिक नहीं करने पर यादव द्वारा निर्वाचन आयोग की आलोचना किये जाने को लेकर प्रसाद ने कहा कि उन्हें इंतजार करना चाहिए। भाजपा नेता ने यादव के उस बयान पर भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्ति की जिसमें कहा गया है कि निर्वाचन आयोग भाजपा के 'औजार' के रूप में काम कर रहा है। रविशंकर प्रसाद ने कहा, ''यह किस तरह की भाषा है?'' प्रसाद ने राजद नेता से यह स्पष्ट करने के लिए कहा कि कैसे उनकी पार्टी के नेताओं ने बिहार में चुनाव जीता और कैसे अन्य विपक्षी नेताओं ने विभिन्न राज्यों में अपनी जीत सुनिश्चित की। उन्होंने कहा, ''सभी चुनाव निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि संविधान खतरे में है। चाहे वह राहुल गांधी हों या उनके सहयोगी, इच्छाएं पूरी नहीं होने पर वे निर्वाचन आयोग से लेकर अदालत और संसद तक लोकतंत्र के हर अंग पर हमला करना शुरू कर देते हैं।''

भाजपा ने गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें एक 'राजनीतिक पर्यटक' करार दिया। प्रसाद ने कहा कि भाजपा नीत राजग बिहार विधानसभा के चुनाव में भारी अंतर से निर्णायक और ऐतिहासिक जीत हासिल करेगा।

जानबूझकर व्यवधान उत्पन्न करना लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं होता: लोकसभा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले, सोमवार को कहा कि सदन की कार्यवाही में जानबूझकर व्यवधान डालना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर को शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें 15 बैठकें होंगी। विपक्ष ने सत्र की संक्षिप्त अवधि को लेकर सरकार पर हमला बोला है।

संसद के मॉनसून सत्र के दौरान विपक्ष ने विशेष रूप से बिहार में मतदाता सूची के संशोधन का मुद्दा उठाया था, और हंगामे के कारण कार्यवाही बार बार बाधित होने की वजह से ज्यादा कामकाज नहीं हो पाया था। सत्र की छोटी अवधि के बारे में पूछे गए सवाल पर बिरला ने कहा कि संसद सत्र बुलाना सरकार का विशेषाधिकार है और इसकी अवधि आधिकारिक एजेंडे पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, सत्र की अवधि पर निर्णय सरकार लेती है। हमारा प्रयास होगा कि हम सभी राजनीतिक दलों के साथ चर्चा करके सदन की कार्यवाही को सुचारू बनाएं। लोकसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि संसद जनता के मुद्दों को उठाने का मंच है और राजनीतिक दलों को इस मंच का सही ढंग से उपयोग करना चाहिए और व्यवधान पैदा नहीं करना चाहिए।

सुविचार

बारिश का पानी ऊंचाई पर नहीं टिकता है और जहां ढलान होती है वहां से बहकर चला जाता है। ठीक उसी प्रकार से ज्ञान होने के अहंकार से अपने आपको ऊंचा समझने वाले व्यक्ति के पास वह नहीं ठहरता है। इसलिए ज्ञान का अभिमान नहीं करना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इस जहरीली सोच को रोकें

हरियाणा के फरीदाबाद में पुलिस की कार्रवाई के दौरान बरामद विस्फोटक सामग्री और हथियारों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि इस देश के शांति एवं भाईचारे के खिलाफ बहुत बड़े स्तर पर साजिशें जारी हैं। हैरानी की बात है कि इस मामले में गिरफ्तार एक शख्स डॉक्टर है! जिसका पेशा लोगों की जान बचाना है, वह दहशत का सौदागर कैसे बन गया? उसकी निशानदेही पर एक कार के अंदर से जो 'मौत का सामान' मिला है, उसे यहां तक लाना और छिपाना किसी एक आदमी के बस की बात नहीं है। इसके पीछे बड़ा नेटवर्क हो सकता है, जिसका पर्दाफाश होना चाहिए। आतंकवादी संगठन इस देश के सद्भाव को नुकसान पहुंचाने के लिए अपना पूरा जोर लगा रहे हैं। वे युवाओं का ब्रेनवॉश कर रहे हैं। वे उन हाथों में भी बम और बंदूकें थमा रहे हैं, जिनमें दवाइयां और स्टेथोस्कोप हैं। यह दर्शाता है कि सिर्फ किताबी पढ़ाई किसी को इन्सान बनाने के लिए काफी नहीं है। किताबें किस नीयत से पढ़ी हैं, ज्ञान का प्रयोग कहां और किस उद्देश्य से किया है, यह बहुत मायने रखता है। अगर सोच जहरीली है तो वह व्यक्ति कितनी ही किताबें पढ़ ले, कितनी ही डिग्रियां ले ले, उसका ज्ञान विध्वंसक ही होगा। उक्त डॉक्टर के मामले में कार का जिक्र किया जा रहा है। ध्यान रखें कि 13 दिसंबर, 2001 को संसद पर हमले में भी इसी तरह कार, विस्फोटक सामग्री और हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। क्या आतंकवादी एक बार फिर कोई बड़ा हमला करने के मंसूबे बना रहे थे? याद रखें, अभी 26/11 हमलों की बरसी आने वाली है। 16 दिसंबर भी ज्यादा दूर नहीं है, जिसका बदला लेने के लिए पाकिस्तान कसमें खाता रहता है।

उधर, गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने एक डॉक्टर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से हथियारों और रसायनों का जखीरा मिला है। ये भी आतंकवादी हमला करने की साजिश रच रहे थे। आरोपी डॉक्टर ने चीन से एमबीबीएस की डिग्री ली थी। वह अपने चिकित्सा ज्ञान से एक बेहद घातक जहर बना रहा था, जिससे बड़ी संख्या में लोगों की जान ली जा सकती थी। उसने कच्चा माल जुटाकर रासायनिक प्रक्रिया शुरू कर दी थी। सोचिए, अगर यह शख्स जहर बनाने की प्रक्रिया के आखिरी चरण को पार कर लेता तो कितनी तबाही मचा सकता था? आरोपियों द्वारा किया गया यह खुलासा कि 'आका ड्रोन के जरिए हथियारों की खेप पाकिस्तान से भेजता है', से आतंकवाद के एक नए प्रारूप और उससे जुड़े खतरों के बारे में पता चलता है। आज ड्रोन का इस्तेमाल आतंकवाद और तस्करी संबंधी गतिविधियों में हो रहा है। यह परंपरागत तौर-तरीकों से ज्यादा घातक है। तीनों आरोपी अपनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए गांधीनगर जिले के कलोल में एक सुनसान जगह से हथियार इकट्ठे करते थे। सुरक्षा बलों को सरहदी इलाकों में पाकिस्तानी ड्रोनों पर कड़ी नजर रखनी होगी। ये नए जमाने के घुसपैठिए हैं, जिनसे अत्याधुनिक तकनीक के जरिए निपटना होगा। यही नहीं, सरहद पार से युवाओं के दिलो-दिमाग में जहर घोलने वाले कट्टरपंथियों के खिलाफ सख्ती दिखानी होगी। उन्हें आतंकवादी घोषित कर उनकी तकरीरें सुनने को प्रतिबंधित करना होगा। ऐसे कई 'उपदेशक' सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय हैं। उन्हें भारत में लोग सुनते हैं। उनकी सामग्री पर की गई टिप्पणियों पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि उनमें भारतीय नागरिक भी हैं। ऐसी जहरीली सामग्री को अपने देश में प्रसारित होने से रोकें। साथ ही, खुफिया तंत्र को और मजबूत करें, ताकि देश के खिलाफ साजिश रचने वाला कोई भी तत्त्व न बच पाए।

ट्वीटर टॉक

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र में विधायक निधि से वार्ड नंबर 73 के पृथ्वीपुरा वाल्मीकि बस्ती के सामुदायिक भवन के कार्य का शिलान्यास किया गया। यहां रसाला रोड ब्रिज का रंग रोगन, सुलभ शौचालय निर्माण आदि किए गए हैं।

-अशोक गहलोत

सऊदी अरब की राजधानी रियाद में मिला स्नेहपूर्ण स्वागत दिल छूने वाला रहा। माहौल बिल्कुल वैसा ही था जैसा एक परिवार के सदस्य को अपनायत में मिलता है। मेरे लिए गुलाम मोहम्मदने जो शब्द कहे, उनमें भारतीय संस्कृति में रचा-बसा आदर और आत्मीय सत्कार झलक रहा था।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

खेलकूद के समग्र विकास हेतु सरकार द्वारा अनेक प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण, खिलाड़ियों को उन्नत प्रशिक्षण सुविधाएं व प्रोत्साहन योजनाएं प्रदान कर खेल प्रतिभाओं को सशक्त बनाया जा रहा है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सम्मान का मापदंड

एक चित्रकार सम्राट नेपोलियन से मिलने आया। जब नेपोलियन ने उसके मैले-कुचैले कपड़े देखे, तो उसने न तो उसका सम्मान किया और न ही उसे अपने नजदीक बैठने दिया। लेकिन बाद में बातचीत करने पर यह पता चला कि वह न केवल एक प्रसिद्ध चित्रकार था, बल्कि एक बहुत बड़ा विद्वान भी था। जब चित्रकार वहां से जाने लगा, तो नेपोलियन खुद उठकर उसे सम्मानपूर्वक विदा करने मुख्य द्वार तक गए। चित्रकार ने हैरान होकर उनसे पूछा, 'जब मैं आपसे मिलने आया था, तो आपने मुझसे ठीक से बात तक नहीं की थी, लेकिन अब आप मुझे इस तरह सम्मान के साथ विदा करने आए हैं, इसका कारण क्या है?' नेपोलियन मुस्कुराते हुए बोले, 'आने वाले व्यक्ति का सम्मान उसकी पोशाक देखकर किया जाता है, लेकिन जाते वक्त उसका सम्मान उसके गुणों को देखकर किया जाता है।'

सामयिक

भागवत की नई दृष्टि और समरस भारत की परिकल्पना

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भागवत का यह संदेश उस भारत की परिकल्पना करता है जिसमें मतभेद तो हो सकते हैं, पर मनभेद नहीं। वे मानते हैं कि जो भी इस भूमि में जन्मा है, उसका पूर्वज कोई न कोई हिंदू ही रहा है। यह कथन ऐतिहासिक नहीं, सांस्कृतिक ष्टि से महत्वपूर्ण है। यह इस तथ्य की ओर संकेत करता है कि भारत की सभ्यता का मूल एक ही रहा है, जिसने विविध रूपों में विकसित होकर अनेक धर्मों और संप्रदायों को जन्म दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रायः हिंदूवादी संगठन के रूप में देखा जाता रहा है, परंतु वस्तुतः वह केवल एक धार्मिक या सांप्रदायिक संगठन नहीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीयता की जीवंत चेतना का प्रतीक है। संघ की मूल प्रेरणा वसुधैव कुटुम्बकम के भाव से उपजी है, जो भारत की सनातन संस्कृति की आत्मा है। इसी दृष्टि का विस्तार संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के हालिया बेंगलुरु वक्तव्य में परिलक्षित हुआ, जब उन्होंने खुले हृदय से कहा कि ईसाई और मुसलमान भी संघ में शामिल हो सकते हैं। यह कथन न केवल साहसिक है बल्कि यह नए भारत, विकसित भारत और संतुलित भारत की सोच का परिचायक भी है। संघ में मुस्लिम, ईसाई समेत किसी भी संप्रदाय के लोगों के स्वागत की भागवत के वक्तव्य की व्यापक चर्चा होना स्वाभाविक है। लेकिन यह वक्तव्य संघ की व्यापक सोच का भी परिचायक है और उसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए।

मोहन भागवत का यह वक्तव्य संघ की विचारधारा में निहित उस भारतीय दर्शन की पुनः पुष्टि करता है जिसमें धर्म का अर्थ संप्रदाय नहीं बल्कि जीवन-मूल्यों का समुच्चय है। संघ के लिए हिंदुत्व किसी धर्म विशेष का नाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की वह पद्धति है जिसमें समरसता, सह-अस्तित्व, करुणा और राष्ट्रनिष्ठा के तत्व समाहित हैं। यही कारण है कि संघ की दृष्टि में हिंदुत्व का अर्थ भारतीयता है अर्थात भारत की संस्कृति, परंपरा, इतिहास, संवेदना और जीवनशैली से आत्मीय जुड़ाव। ऐसा नहीं है कि इसके पहले संघ में विभिन्न संप्रदायों के लोगों को आने की अनुमति नहीं थी, यह अनुमति पहले से है और सच तो यह है कि उसके कार्यक्रमों में विभिन्न संप्रदायों के लोग आते भी रहे हैं। इनमें मुस्लिम और ईसाई भी हैं। इस सबके बाद भी धारणा यह भी है कि संघ के कार्यक्रमों में केवल हिंदू संप्रदाय के लोग शामिल होते हैं। इस धारणा का कारण यह है कि हिंदू संप्रदाय को लेकर संघ की अपनी विशिष्ट धारणा और परिभाषा है। उसके अनुसार देश में रहने वाले सभी लोग हिंदू ही हैं, भले ही उनका संप्रदाय और उनकी उपासना पद्धति कुछ भी हो। संघ की ओर से बार-बार यह स्पष्ट किया गया है कि चूंकि इस देश में रहने वाले समस्त लोगों के पूर्वज हिंदू ही थे, इसलिए वह सभी को हिंदू के रूप में देखता, मानता और संबोधित करता है। आखिर इस अवधारणा में कठिनाई क्या है? संघ के दूसरे सरसंघचालक गुरुजी गोलवलकर ने कहा था, हिंदुत्व केवल धर्म नहीं, वह संस्कृति है, जीवन का एक दृष्टिकोण है। इसी सूत्र को आगे बढ़ाते हुए मोहन भागवत स्पष्ट करते हैं कि हिंदुत्व किसी जाति, भाषा, मज़हब या सीमित परंपरा का नाम नहीं है। संघ यह मानता है कि भारत में रहने वाले सभी लोग, चाहे वे किसी भी पंथ या विश्वास से जुड़े हों, इस धरती के सांस्कृतिक उत्तराधिकारी हैं। इसीलिए वे भारतीय हैं और इस दृष्टि से हिंदू अर्थात इस भूमि की सभ्यता के उत्तराधिकारी। संघ की दृष्टि में हिंदू शब्द धार्मिक पहचान से अधिक सांस्कृतिक अवधारणा है। यह भारतीय जीवन का पर्याय है, जो समानता, सहिष्णुता और एकात्मता में विश्वास करता है। यही भाव 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'एकं सत विप्रा बहुधा वदन्ति' जैसे मंत्रों में प्रतिध्वनित होता है।

आज की राजनीति में समाज को जाति, धर्म और भाषा के आधार पर बाँटने का जो विषवमन चल रहा है, उससे राष्ट्र की एकात्मता को गहरी चोट पहुँच रही है। संघ का उद्देश्य इस विभाजनकारी मानसिकता के प्रतिरोध में खड़ा होना है। मोहन भागवत का यह वक्तव्य इसी विषहरण की प्रक्रिया का हिस्सा है, एक ऐसी पुकार जो समाज के हर वर्ग को यह विश्वास दिलाती है कि राष्ट्र की आत्मा किसी संकीर्ण धार्मिक पहचान में नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक चेतना में निहित है। संघ के लिए राष्ट्र ही सर्वोच्च देवता है। इस राष्ट्रभक्ति के केंद्र में धर्मनिरपेक्षता नहीं बल्कि धर्मसम्मतता है अर्थात ऐसी आस्था जो सभी मतों का सम्मान करती है। इसी भाव से प्रेरित होकर संघ अपने कार्यकर्ताओं को हिंदू समाज की सेवा के माध्यम से समग्र भारतीय समाज की एकता का लक्ष्य देता है।

भागवत का यह संदेश उस भारत की परिकल्पना करता है जिसमें मतभेद तो हो सकते हैं, पर मनभेद नहीं। वे मानते हैं कि जो भी इस भूमि में जन्मा है, उसका पूर्वज कोई न कोई हिंदू ही रहा है। यह कथन ऐतिहासिक नहीं, सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह इस तथ्य की ओर संकेत करता है कि भारत की सभ्यता का मूल एक ही रहा है, जिसने विविध रूपों में विकसित होकर अनेक धर्मों और संप्रदायों को जन्म दिया। इस संदर्भ में भागवत का दृष्टिकोण गांधीजी की उस संकल्पना से मेल खाता है जिसमें उन्होंने कहा था- मेरा हिंदुत्व सबको समेटने वाला है, किसी को बाहर करने वाला नहीं।

यही समावेशी भाव राष्ट्र की एकता का आधार बन सकता है। यदि संघ इस पर बल देता है कि उसका उद्देश्य हिंदुओं को संगठित करना है तो इसका अर्थ यही भी है कि वह सभी भारतीयों को संगठित करके एक सशक्त राष्ट्र की परिकज्पना करता है। कठिनाई यह है कि उसके विरोधी यह प्रचारित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते कि वह तो केवल हिंदू समाज का संगठन है। चूंकि यह दुष्प्रचार बड़े पैमाने पर हो रहा है, इसलिए आवश्यक हो जाता है कि संघ के स्तर एवं अन्य स्तरों पर इन देश तोड़क स्थितियों एवं दुष्प्रचार का स्पष्टीकरण होता रहे।

संघ को लेकर फैलायी जा रही यह भ्रांति एवं गुमराह पूर्ण स्थितियों का खुलासा होना जरूरी है कि संघ संप्रदाय विशेष के लोगों को एकजुट करने का कार्य कर रहा है। यदि यह मिथ्या धारणा दूर हो सके तो संघ का कार्य और अधिक आसान एवं सृजनात्मक हो जाएगा, लेकिन यह मानकर चला जाना चाहिए कि संघ के विरोधी उसके बारे में दुष्प्रचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी है। जो भी हो, संघ प्रमुख ने यह कहकर एक तरह से अपने विरोधियों और आलोचकों की ओर मित्रता का हाथ बढ़ाया है कि उसके कार्यक्रमों में सभी संप्रदायों के लोग आ सकते हैं, लेकिन केवल भारत माता के पुत्र के रूप में। उनकी इस पहल का सकारात्मक उत्तर दिया जाना चाहिए, उसका व्यापक स्तर पर स्वागत भी होना चाहिए। लेकिन बड़ी विडंबना यह है कि कुछ लोग भारत को माता के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं। क्या यह किसी से छिपा है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से भारत माता की जय कहने से बचा जाता है? पिछले दिनों इसी संकीर्ण दृष्टि के कारण वंदे मातरम के विरोध में स्वर सुनाई दिए।

इक्कीसवीं सदी का भारत केवल आर्थिक या तकनीकी महाशक्ति नहीं बनेगा, यदि उसके भीतर मानसिक और सांस्कृतिक एकता का सूत्र न हो। संघ इसी सूत्र को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। भागवत का संदेश भारत के बहुलतावाद और धार्मिक विविधता में निहित एकता को स्वीकार करता है। यह एक ऐसा आमंत्रण है जो हर नागरिक को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि भारतीयता हमारी साझा पहचान है, बाकी सब उपाधियाँ हैं। इस दिशा में संघ का दृष्टिकोण समरस समाज की रचना पर केंद्रित है? ऐसा समाज जहाँ मुसलमान, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी सभी अपने धर्म का पालन करते हुए भी राष्ट्र को अपनी मातृभूमि मानें और भारतीय संस्कृति के गौरव से जुड़ें। मोहन भागवत के बेंगलुरु वक्तव्य ने हिंदुत्व की परिभाषा को एक व्यापक और आधुनिक संदर्भ दिया है। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघ का हिंदुत्व किसी के विरुद्ध नहीं, बल्कि सबके लिए है। यह विभाजन नहीं, समन्वय का सूत्र है। यही सच्ची भारतीयता है- जो विविधताओं में एकता को, विरोध में संवाद को और मतभेद में सह-अस्तित्व को स्वीकार करती है। संघ का यह दृष्टिकोण बताता है कि हिंदुत्व का अर्थ किसी पंथ का वर्चस्व नहीं, बल्कि उस जीवनदर्शन का पुनर्जागरण है जिसमें भारत की आत्मा बसती है। यही भाव राष्ट्र को अखंडता, शांति और विकास के पथ पर अग्रसर करेगा।

नजरिया

भारतीय ज्ञान परम्परा में बचपन

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

पिछले दिनों राजस्थान साहित्य अकादमी और 'बाल वाटिका' पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में भीलवाड़ा में एक संगोष्ठी हुई, जिसके विभिन्न सत्र भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध आयामों पर केंद्रित थे। इसका उद्घाटन भीलवाड़ा के सांसद माननीय दामोदर अग्रवाल ने किया था। यहाँ उन्होंने एक बड़ी महत्वपूर्ण बात कही कि हमारी ज्ञान परम्परा का उत्स वेद बताया जाता है। यही आगे उपनिषद, संहिताओं, सूत्रों, महाकाव्य, पुराण, आयुर्वेद, योग, ज्योतिष, खगोल, गणित, दर्शन, विभिन्न शास्त्रों और शैक्षिक अनुदेशों में प्रवाहमान मिलती है। यह हमें एक सुविचारित आध्यात्मिक जीवन शैली और पर्यावरणीय चेतन प्रदान करती है। इसकी विशिष्टता इस तथ्य में निहित है कि यह दर्शन और आध्यात्मिकता को विज्ञान, कला और संस्कृति के साथ एकीकृत करके आदर्श जीवन मूल्यों का सृजन करती है।

इस क्रम में याज्ञवल्क, सत्यकाम जाबालि, महात्मा बुद्ध, तीर्थंकर महावीर, पतंजलि, धन्वंतरी, सुश्रुत, कणादि, चाणक्य, आर्यभट्ट, बाराहमिहिर, शंकराचार्य से लेकर विवेकानन्द तक विविध संदर्भों में चर्चा के केंद्र में आ जाते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब वेद नहीं था, तब क्या था? लोग कैसे जीते थे? क्या तब एकदम अराजक स्थिति थी? इसका बेवाक जवाब उन्होंने स्वयं प्रस्तुत किया कि तब लोक था, लोक की मर्यादा, मान्यता और परम्परा थी। फिर अराजक स्थिति क्यों होती? लोक ने ही श्लोकों का सृजन किया, जो समयानुसार वेद में समाहित हुए। अर्थात हमारी ज्ञान परम्परा का मूल लोक में है। 'लोक' में बचपन को सँवारने वाले भी ढेरों उपक्रम हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शास्त्रीय ज्ञान के साथ लोक ज्ञान भी एक मार्गदर्शक सिद्धान्त के रूप में विद्यमान है। इसे नए पाठ्यचर्या में स्थान देने का लक्ष्य है। सन 2000 में जब देश में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम' शुरू हुआ था तो पाठ्य सामग्री में 'लोक तत्व' को समायोजित करने का सिलसिला शुरू हुआ था। अभी जो पाठ्य पुस्तकें आयी हैं, उसकी भाषा की किताब के एक पेज में 'लोककथा' या 'लोकगीत' का शीर्षक देकर पेज सादा छोड़ दिया गया है। इसमें नीचे बच्चों के लिए निर्देश है कि इसे वह घर-परिवार के सयानों की मदद लेकर पूरा करें। अर्थात इस पेज को कोई लोकगीत या लोककथा लिखकर पूरा करना है।

मनोवैज्ञानिकों का मत है कि बच्चा जिस दिन जन्म लेता है, उसी समय से रूप, रस, गंध, स्पर्श और ध्वनि से सीखना शुरू कर देता है। यानी उसकी अनौपचारिक शिक्षा लोक' से आरम्भ होती है। एक माँ अपने बीस-पच्चीस दिन के बच्चे को सुलाने के लिए जब लोरी गाती है, तो बच्चा भाषा नहीं जानता है। शब्दों के अर्थ और उसके बिम्ब से वह अनजान होता है। चाँद, तारे, गाय-बछड़ा, चिरई-चुनगुन, गाँव-शहर के लोग यानी जो कुछ भी माँ की लोरी में होता है, वह सब उसके लिए निरर्थक है। सार्थक है, तो वह है माँ की आवाज की गूँजती कोमल ध्वनियाँ...बच्चे के कोरे मन पर काव्यात्मक शब्दों का स्नेहिल स्पर्श...यह उसके मानस तंतुओं को बार-बार झंकृत करके जिस आनंद की सृष्टि करता है, उसे वह व्यक्त नहीं कर सकता है, बस अपने को आनंद की अथाह राशि के बीच झूलता हुआ महसूस करता है। लोरी सिर्फ नींद लाने का सांस्कृतिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि बालमन में शब्दों की पहचान, विचारों और सपनों के बीज बोने का आत्मीयता से भरा एक उपक्रम है।

बच्चा पहले सुनता है, बाद में बोलता है। शुरू में जन्म के एक-डेढ़ माह के बीच माँ की लोरी से परिचित होने के बाद वह ध्वनि और भावों से परिवेश को समझना आरम्भ कर देता है। दादा-दादी, नाना-नानी, माता-पिता की बातचीत वह बेशक नहीं समझता, किन्तु ध्वनियों का यह संसार उसके मन में शब्दों के बीज बोने लगता है। बच्चा जो शब्द सुनता है, मानस में उसकी एक पहचान बनी रहती है। आगे चलकर जब वह शब्दों को सुनकर बोलने की अवस्था में आता तो अबोध अवस्था में सुने शब्दों का उच्चारण वह आसानी से कर पाता है। यानी घरेलू वार्तालाप और एक छोटी सी लोरी, जो साहित्यिक दृष्टि से लयात्मक तुकबंदी होती है, बच्चे में भाषा के संस्कार के बीजारोपण का उपक्रम है। एक बड़ा तथ्य है, जो बच्चे लोरी सुनने या माँ के एकालाप से शैशवकाल में वंचित रहते हैं, उनकी भाषा का विकास धीमी गति से होता है।

वेद-वेदांग की परम्पराएं जितनी विस्तृत हैं, उससे कम फैलाव नहीं है लोक का! यहाँ शास्त्रीयता से मुक्त गाना-बजाना है। नाटक, नौटंकी, सांग, भगत और किस्से-कहानियों की बहुत बड़ी दुनिया है। कितनी तो ऐसी कहानियाँ हैं, जो पूरी की पूरी गायी जाती हैं। कुछ गद्य-पद्य के मिश्रित रूप में सुनाई जाती हैं। गंगाराम पटेल और बुलाकी नाई' जैसी कहानियाँ भी हैं, जहां हर अगले पड़ाव पर नई दिलचस्प कहानी आ खड़ी होती है। यहाँ कहानियों की दुनिया में तमाम अमर किरदार हैं जैसे शेखचिल्ली, बीरबल, देसा, तेनालीराम, मुल्ला नसीरुद्दीन आफ़ंती, गोनू झा, गोपाल भांड, बिजांडो, लालबुझक्कड़ आदि। यह किरदार मस्त तबीयत वाले बड़े वाक्पटु हैं। इनके किस्सों में अनूठा हास्य-व्यंग्य तो होता ही है, समस्याओं के समाधान का चमत्कृत करने वाला बेजोड़ कार्य कारण 'सम्बन्ध' का नमूना भी मिलता है। मनोरंजन के साथ-साथ इनकी कहानियों में सामाजिक जीवन की गहरी बातें छिपी होती हैं। शिक्षाविदों का मत है, कहानियाँ सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं होतीं, बल्कि यह बच्चों की सोचने की क्षमता को बढ़ाती हैं। जब बच्चे को कहानी सुनाई जाती है, तो उसका दिमाग नए लोगों, स्थितियों और निष्कर्षों के बारे में जानता है। इससे उसकी कल्पना और स्मृति दोनों बेहतर होती है। देश में लोकगाथाओं और किस्से-कहानियों की जो संपदा है, इसका अभिलेखीकरण किया जाना चाहिए।

लोक जीवन में कहावतों, लोकोक्तियों, कहकूत की एक एक बड़ी दुनिया बिखरी पड़ी है। यह भाषा को जीवंत, बिंवात्मक और जोरदार बनाने में तो अपनी सशक्त भूमिका निभाती ही हैं, इसमें जो ज्ञान का उजाला है उसे औरों में बांटकर दिलों में उजाला भरने का काम भी करती हैं। कहावतों और लोकोक्तियों में छिपी रोचक कहानियां मिलती हैं। कुछ कहकूत और लोकोक्तियों में गणितीय समस्याएं रहती हैं, जिसे 'कठबैठी' कहा जाता है। इसे हल करने में बच्चों और किशोरों को खूब माथापच्ची करनी पड़ती है। यह तर्क, चिंतन और कल्पना के एकीकृत प्रयास से ही सम्भव हो पाता है। किसी भी क्षेत्र का गाँव या कस्बे हों, पहेलियों की एक सघन दुनिया लोगों के बीच आबाद है। यह हर बोली में हैं। बच्चों के मानसिक विकास में इन छोटी-छोटी पहेलियों की भूमिका बड़ी बेजोड़ होती है। यह बच्चों में चिंतन, मनन और बुद्धि-विवेक का विकास करती हैं। लोक जीवन में बच्चों के कई खेल प्रचलित थे। इसमें लागत कुछ नहीं लगती थी, किन्तु स्वास्थ्य और मनोरंजन की दृष्टि से यह बड़े कारगर हुआ करते थे। इसमें एक खेल में कई उप खेल होते थे। गाँव का एक मशहूर खेल गिल्ली-डंडा हुआ करता था। इसके उपखेलों में 'आलगाल', 'दौड़ान', 'हत्था', 'टेढ़ा' आदि होते थे। इसमें खिलाड़ी मस्ती में गीत भी गाते थे। उदाहरणार्थ जब गिल्ली डंडे के प्रहार से 'टन्न' की आवाज के साथ हवा में लहराती दूर जा रही होती तो खिलाड़ी उत्साह से गा उठता-'छवा रवा ककरिया में गवा...।' लोक में समादृत 'नाग पंचमी' जैसे पर्व करीब-करीब खेलों को समर्पित रहते थे। इसके आने के एक माह पूर्व गाँव-गाँव में कुश्ती के अखाड़े तैयार हो जाते थे। बच्चे और किशोर लम्बी कूद, ऊँची कूद, दौड़, रस्साकशी वगैरह का अभ्यास करने लगते थे। नाग पंचमी को इन खेलों के प्रदर्शन का आयोजन होता था। अब यह परम्परा समाप्त हो चुकी है। लोक में प्रचलित खेल बच्चों में सामूहिकता और समायोजन की भावना का संचार करते थे। अब यह बात नहीं रही, लोग सबसे आगे रहने की अंधी दौड़ के धावक बन चुके हैं।

पिछली सर्दियों और और शुरू गर्मी के दिनों में हमारे यहाँ छत्तीसगढ़ से पंडवानी गायक और राजस्थान के फड़ गायक 'भोपा-भोपी' की टोलियाँ गांवों में गई थीं। हमारे क्षेत्र लिए यह नई विधा थी। लोग इनके प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में प्रतिभाग किए थे। इनके श्रोताओं में ढेरों नई उम्र के बच्चे, किशोर और नवयुवक भी होते थे, जो सामान्यतया मोबाइल में लगे रहते थे। बच्चों के टेस्ट का यह भी एक नमूना है। बहुत पहले राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन ने 'बुंदेलखंड' और 'अवध' में प्रचलित आल्हा गायन में प्रयुक्त छंदों, लय और तान के आधार पर बच्चों के लिए कथा कविताएं लिखी थीं। इस प्रकार के नए प्रयोग के रूप में फड़ और पंडवानी के शिल्प भी बाल साहित्य में प्रयुक्त होने चाहिए।

एक वक्त था, जब देश में अस्सी प्रतिशत लोग गांवों में रहते थे। कृषक समाज हुआ करता था। संयुक्त परिवार के दिन थे, जहां खुशहाल बचपन के लिए उल्लासपूर्ण माहौल रहता था। बाद में कृषि समाज के लोगों का औद्योगिक और व्यवसायी समुदाय के बीच रूपांतरण होना शुरू हुआ। इस प्रक्रिया में सारा पारंपरिक ढांचा ध्वस्त होता गया। आज की तारीख में हजारों गाँव शहरों में समा चुके हैं। गाँव स्वयं शहरों में तब्दील होने में लगे हैं। परिवार, समाज अब भी है, लेकिन उसमें वह सामूहिकताबोध और सुरक्षा की शाश्वत गारंटी नहीं बची है। सामाजिक ताने-बाने में हुई क्षति का सबसे बुरा असर बचपन पर पड़ा है। समय को हम पीछे नहीं ले जा सकते। मगर पहले के समय की अच्छाइयाँ की जो सृजनात्मक शक्तियां थीं। उनका संचयन और अभिलेखीकरण तो किया ही जा सकता है, क्योंकि अगर यह बचे रहे तभी आने वाले समय में इनको जीवन के साथ जोड़ने की संभावना भी रहेगी। हमारी वेद-वेदांग की परम्परा, ऋषियों का चिंतन, प्राचीन साहित्य, चाहे वह संस्कृत में हों या फिर पालि,प्राकृत, तमिल, कन्नड़ या अन्य भाषाओं में-यह अतुल्य है। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047' तक भारतीय मनीषा 'विश्व गुरू' बनने का सपना देख रही है, इसे हकीकत में बदलने के लिए हमें आज के बच्चों को लेकर अपनी बौद्धिक जड़ों की तरफ लौटना होगा। प्राचीन आर्ष चिंतन से निःसृत ज्ञान-विज्ञान से जुड़े बिना यह सपना दिवास्वप्न से अधिक कुछ न होगा। किन्तु यहाँ हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आर्ष चिंतन के खजाने तक पहुँचने का 'रास्ता लोक' से होकर गुजरता है और हम उस पीढ़ी के आखिरी लोग हैं, जो वेद-वेदांग और लोक के छूटे हुए सरोकार के लिए कुछ कर सकते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

दिल्ली विश्वविद्यालय उत्तरी परिसर, नई दिल्ली में सोमवार को स्कूलों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों जैसे संस्थागत क्षेत्रों से आवारा कुत्तों को हटाने और उन्हें निर्दिष्ट आश्रयों में स्थानांतरित करने के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ छात्र और कार्यकर्ता एक विरोध मार्च में भाग लेते हुए।

धर्मेंद्र की हालत नाजुक : ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती, वेंटिलेटर सपोर्ट पर अभिनेता

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के चमकते सितारे धर्मेंद्र इन दिनों अपनी सेहत को लेकर चर्चा में हैं। वह मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती हैं।आईएएनएस के करीबी सूत्रों की मानें तो उनकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। यह खबर सुनकर उनके प्रशंसक और फिल्म जगत के लोग चिंतित हैं। सूत्रों की जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र रुटीन चेकअप के लिए अस्पताल गए थे, लेकिन कुछ जांचों और चिकित्सकों की सलाह के बाद उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती करना पड़ा। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें लाइफ सपोर्ट पर रखा गया है। डॉक्टर लगातार उनकी हालत पर नजर बनाए हुए हैं और उनके इलाज के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। धर्मेंद्र की बारे में बात करें तो उनका नाम भारतीय सिनेमा में हमेशा एक चमकते सितारे के रूप में लिया जाता रहा है। छह दशक लंबे अपने फिल्मी करियर में उन्होंने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उन्हें 2012 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

धर्मेंद्र ने 1960 में 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्में दीं, जिनमें 'फूल और पत्थर', 'सीता और गीता', 'शोले', 'धर्मवीर', 'आंखें', 'राजा जानी', 'गुलामी', 'प्रतिज्ञा', 'नया जमाना', 'द बर्निंग ट्रेन', और 'यादों की बारात' जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों ने उन्हें न केवल एक हीरो के रूप में स्थापित किया, बल्कि दर्शकों के दिल में भी अमिट छाप छोड़ी। 1990 के बाद उन्होंने लीड रोल के बजाय साइड रोल निभाए, जैसे 'प्यार किया तो डरना क्या', 'अपने', 'यमला पगला दीवाना', और 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' इसके परफेक्ट उदाहरण हैं। वह अब मैडॉक फिल्म्स की फिल्म 'इक्कीस' के जरिए एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। धर्मेंद्र न केवल फिल्मों बल्कि अपने सादगी भरे व्यक्तित्व और हंसमुख स्वभाव के लिए भी जाने जाते हैं। अस्पताल में भर्ती होने की खबर के बाद फैंस उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

चीन और जापान के बीच ताइवान को लेकर बड़ा कूटनीतिक विवाद

बीजिंग/भाषा। ताइवान में चीन की संभावित कार्रवाई को लेकर जापान की प्रधानमंत्री सनाई तकाइची के बयान और उसपर चीनी राजनयिक की तीखी प्रतिक्रिया से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक विवाद खड़ा हो गया है।

जापान ने सोमवार को ओसाका में चीनी काउंसल जनरल शुए जियान की सोशल मीडिया पोस्ट पर कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने तकाइची की टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा था कि उनकी गर्दन धड़ से अलग कर दी जानी चाहिए।

जापान के सरकारी प्रवक्ता मिनोरु किहारा ने कहा, चीनी राजनयिक मिशन प्रमुख के लिए यह टिप्पणी करना कतई उचित नहीं था। उन्होंने बताया कि यह पोस्ट अब हटा लिया गया है।

विवाद उस समय शुरू हुआ जब शुक्रवार को तकाइची ने एक संसदीय समिति से कहा कि ताइवान पर चीनी सैनिकों का हमला जापान के अस्तित्व के लिए खतरा साबित हो सकता है, और जापान सामूहिक आत्म-रक्षा के अपने अधिकार का इस्तेमाल कर सकता है।

अभिवादन

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता नई दिल्ली में दिल्ली नगर निगम उपचुनाव के लिए नामांकन से पहले अशोक विहार वार्ड 65 से भाजपा उम्मीदवार वीना असीजा का अभिवादन करती हुई ।

वैश्विक एकाकीपन के बारे में लिखना चाहती थी : किरण देसाई

कलात्मक एकाकीपन मेरे अंदर बहुत पहले ही आ गया था, जब मैं एक विदेशी छात्रा थी और पहली बार भारत से बाहर निकली थी तथा वर्मोंट के कॉलेज में लिखना शुरू किया था।

लंदन/भाषा। भारतीय लेखिका किरण देसाई ने कहा है कि वह वैश्विक एकाकीपन के बारे में एक किताब लिखना चाहती थीं, जो अमेरिका में एक छात्रा के रूप में उनके अपने कलात्मक एकाकीपन पर आधारित हो। किरण देसाई 'द लोनलीनेस ऑफ सोनिया एंड सनी' के लिए सोमवार को लंदन में दूसरे बुकर पुरस्कार की दौड़ में हैं। रविवार शाम को लंदन के साउथबैंक सेंटर में आयोजित एक विशेष पुरस्कार समारोह में, लेखिका देसाई (54), पांच अन्य शॉर्टलिस्ट लेखकों के साथ अपने उपन्यासों के विषय पर चर्चा और वाचन में शामिल हुईं, जिसने विश्व के सबसे प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कारों में से एक के निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। देसाई ने 2006 में 'द इनहेरिटेंस ऑफ़ लॉस' के लिए 50,000 पाउंड का पुरस्कार जीता था। उसके बाद से ही वह इस उपन्यास पर काम कर रही थीं। देसाई ने कहा, मैं एक लंबी, अनसुलझी प्रेम कहानी के माध्यम से वैश्विक एकाकीपन के बारे में एक किताब लिखना चाहती थी।

इस उपन्यास को लिखने में लगे लंबे समय के एकांतवास के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, कलात्मक एकाकीपन मेरे अंदर बहुत पहले ही आ गया था, जब मैं एक विदेशी छात्रा थी और पहली बार भारत से बाहर निकली थी तथा वर्मोंट के कॉलेज में लिखना शुरू किया था। उन्होंने कहा, तो शायद यह पुस्तक की शुरुआत थी, पहली बार अकेले होने का अहसास, लेकिन उस उत्कृष्ट कलात्मक एकाकीपन का अनुभव भी, आप पर कोई नजर नहीं, पूरी तरह से बेपरवाह... मैं पुस्तक लिखते समय बहुत अकेली थी, लेकिन मैं इस पुस्तक को लिखते हुए बहुत खुश भी थी; यह एक साथी की तरह लगा।667 पृष्ठों वाले देसाई के उपन्यास को निर्णायकों ने अमेरिका में रहने वाले दो युवा भारतीयों की एक विशाल और गहन कहानी बताया है। अगर वह पुरस्कार जीत जाती हैं, तो लेखिका बुकर पुरस्कार के 56 साल के इतिहास में पांचवीं बार दोहरी विजेता बन जाएंगी।नयी दिल्ली में जन्मी और पली-बढ़ी देसाई 15 साल की उम्र में अपने परिवार के साथ ब्रिटेन चली गईं और फिर अमेरिका चली गईं। उसके बाद से वह वहीं रह रही हैं। इस पुरस्कार से उनका पारिवारिक इतिहास जुड़ा हुआ है, उनकी मां अनीता देसाई को तीन बार बुकर पुरस्कार के लिए शार्टलिस्ट किया गया था।बुकर निर्णायकों ने 'द लोनलीनेस ऑफ़ सोनिया एंड सनी' के बारे में कहा है, यह दो लोगों के प्यार और एक-दूसरे तक पहुंचने की यात्रा के बारे में एक अंतरंग और व्यापक महाकाव्य है। जाति, वर्ग और राष्ट्रवाद पर गहरी चिंतनशीलता से परिपूर्ण, इस किताब में सब कुछ है। बड़े पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली अन्य कृतियों में अमेरिकी कोरियाई लेखिका सुसन चोई की 'फ्लैशलाइट', अमेरिकी जापानी लेखिका केटी किटामुरा की 'ऑडिशन', ब्रिटिश अमेरिकी बेन मार्कोविट्स की 'द रेस्ट ऑफ आवर लाइव्स', हंगेरियन ब्रिटिश डेविड स्जाले की 'फ्लेश' और अंग्रेजी उपन्यासकार एंड्रयू मिलर की 'द लैंड इन विंटर' शामिल हैं।

'आदि कैलाश' वृतचित्र को जयपुर अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के लिए किया गया नामित

नयी दिल्ली/भाषा। हरीश शर्मा द्वारा निर्देशित वृत्तचित्र 'आदि कैलाश' को 18वें जयपुर अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (जेआईएफएफ) 2026 की प्रतियोगिता श्रेणी में आधिकारिक रूप से नामित किया गया है। जेआईएफएफ एक प्रतिस्पर्धी फिल्म महोत्सव है जो जयपुर में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य नए फिल्म निर्माताओं को प्रोत्साहित करना और सिनेमा के माध्यम से भारत और दुनिया के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना है।संदीप झा द्वारा निर्मित, यह फिल्म प्रसिद्ध हिमालयी पर्वतारोही और लेखक ललित पंत की पुरस्कृत पुस्तक 'अजपथों से हिमशिखरों तक' से प्रेरित है।एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह फिल्म हिमालय में पवित्र आदि कैलाश शिखर की आध्यात्मिक यात्रा को दर्शाती है, जिसे हिंदू पौराणिक कथाओं में भगवान शिव का दिव्य निवास माना जाता है। वृत्तचित्र में हेमंत पांडे एंकर की भूमिका में हैं। यह वृत्तचित्र प्राचीन इतिहास, तीर्थयात्रियों की चुनौतीपूर्ण यात्राओं और क्षेत्र के शांत रहस्य को समेटे हुए है, जिसमें व्यक्तिगत कहानियों, स्थानीय परंपराओं, मानवता और प्रकृति के बीच के शाश्वत बंधन पर प्रकाश डाला गया है।

यामी गौतम से सीखी अभिनय की बारीकियां

मुंबई/एजेन्सी

पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया रह चुकी वर्तिका सिंह ने कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'हक' के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है। किसी नए कलाकार के लिए पहला मौका खास होने के साथ ही और चुनौतीपूर्ण भी होता है, लेकिन वर्तिका ने बताया कि उन्हें फिल्म के सेट पर अपने किरदार को निभाने में कोई परेशानी नहीं हुई। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में वर्तिका ने अपने को-स्टार्स, खासकर इमरान हाशमी की तारीफ की। उन्होंने बताया कि इमरान जमीन से जुड़े बेहतरीन कलाकार हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे इमरान हाशमी के साथ काम करने पर किसी तरह का स्टारडम का दबाव महसूस नहीं हुआ। वह हर किसी को समान महत्व देते हैं, जिससे नए कलाकारों को एक अलग आत्मविश्वास मिलता है। इमरान के समान रवैये से मुझे अपने किरदार को बेहतर ढंग से निभाने का मौका मिला। वह हर सीन में काफी सहज रहे।'' वर्तिका ने यामी गौतम के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''यामी के ज्यादा सीन इमोशन्स से भरपूर थे, इसलिए सेट पर मजाक-मस्ती कम ही थी। उन्हें हर सीन से पहले अपने किरदार में डूबने के लिए उनके इमोशन्स से जुड़ना पड़ता था। यामी से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मैंने उनसे छोटे-छोटे हाव-भाव और किरदार में गहराई बनाए रखने के तरीके सीखे।''

अपने किरदार साइरा को लेकर वर्तिका ने आईएएनएस से कहा, ''मैंने खुद को पूरी तरह अपने किरदार में डुबो दिया। मैंने साइरा की मानसिकता और भावनाओं को समझने के लिए कविताएं भी लिखीं। साथ ही उसके अतीत, पालन-पोषण और जीवन की परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए उसे पूरी तरह महसूस किया। मैंने इसके लिए नोट्स भी तैयार किए।'' फिल्म 'हक' में इमरान हाशमी और यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं।

'दिल्ली क्राइम 3' की टीम ने काम की उचित अवधि की वकालत की

मुंबई/भाषा

दिल्ली क्राइम 3 की कलाकार शेफाली शाह, रसिका दुग्गल और हुमा कुरैशी ने कार्यस्थल के ऐसे माहौल की आवश्यकता बताई है जो शोषणकारी न हो और परिस्थिति के अनुसार रचनात्मक स्वतंत्रता की अनुमति दे। करीब तीन दशक से फिल्म उद्योग में सक्रिय शेफाली शाह ने कहा कि वह अब यह कहने की स्थिति में हैं कि, मैं अब (कार्यस्थल से) घर जाना चाहती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें 'सेट' पर रहना बहुत पसंद है, लेकिन कभी-कभी यह थकाने वाला हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय एमी पुरस्कार जीत चुकी सीरीज के तीसरे सीजन में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) वार्तिका चतुर्वेदी के रूप में वापसी कर रहीं अभिनेत्री ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, बीते कुछ वर्षों के बाद, अब मैं यह कह सकती हूं, 'मुझे घर जाना है।' हम परिस्थितियों को समझते हैं कभी-कभी हमें काम पूरा करना होता है, तो हम उसे भी करते हैं लेकिन आप इसे सामान्य नहीं बना सकते। फिल्म उद्योग में काम के घंटों को लेकर उस वक्त बहस छिड़ गई, जब बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट से बाहर होने का फैसला किया क्योंकि काम की अवधि प्रतिदिन आठ घंटे तक सीमित करने के अनुरोध पर निर्माताओं के साथ मतभेद थे।

'दिल्ली क्राइम' में पुलिस अधिकारी नीति सिंह की भूमिका निभा रहीं दुग्गल ने कहा कि 'सेट' पर काम के घंटों के संबंध में उचित नियम बनाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, कुछ ढांचा, कुछ नियम होने चाहिए, अन्यथा ऐसा होगा कि प्रभावशाली व्यक्ति अपने मन मुताबिक अवधि तक काम करेगा और जिनकी बात नहीं सुनी जाती, उनका शोषण होगा तथा ऐसी व्यवस्था का आप हिस्सा नहीं बनना चाहेंगे। एक ऐसा मानदंड होना चाहिए जो शोषणकारी न हो और परिस्थिति के अनुरूप काम किया जाए, जिसके लिए हम तैयार हैं। इस सीजन में शो के कलाकारों में शामिल अभिनेत्री सयानी गुप्ता और हुमा कुरैशी ने कामकाज और जीवन के बीच संतुलन की बहस पर अपनी राय रखी।

गुप्ता ने बताया कि अभिनेताओं को अपने प्रभावशाली पदों का लाभ उठाकर स्वयं और अपनी टीम के लिए बेहतर मानक स्थापित करने चाहिए। उन्होंने कहा, वे कुछ मानक तय कर सकते हैं। अगर आप मुझसे 22 घंटे काम करवाएं, तो मैं कहूंगी कि ऐसा नहीं करूंगी, लेकिन एक चीज जो मैं कभी नहीं करूंगी, वह है सेट से यह कहते हुए बाहर जाना कि 'बस, मेरा समय पूरा हो गया है और मैं जा रही हूं', मैं ऐसा कभी नहीं करूंगी क्योंकि मैं एक फिल्म निर्माता भी हूं। कुरैशी ने कहा, मुझे लगता है कि जिस बात (48 घंटे काम करने) का मैंने ज़िक्र किया है, वह एक बार के लिए है, यह सामान्य नहीं है। बस कभी-कभी आपको समझ आता है कि आपके निर्माताओं की कुछ मजबूरियां हैं। अगर आप नहीं आएंगे, तो काफी आर्थिक नुकसान होगा। हम नहीं चाहते कि किसी को नुकसान हो। निर्देशक तनुज चोपड़ा ने कहा कि वह शूटिंग शेड्यूल के मामले में लगातार प्रयास करते रहते हैं कि जरूरत से ज्यादा काम न हो जाए। दिल्ली क्राइम 3 तेरह नवंबर से 'नेटफ्लिक्स' पर प्रदर्शित होगी।

अभिनेत्री गौरी किशन से यूट्यूबर की माफी 'बनावटी' लग रही

कोच्चि/भाषा

एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवीज आर्टिस्ट्स (एएमएमए) की अध्यक्ष श्वेता मेनन ने रविवार को कहा कि एक यूट्यूबर द्वारा अभिनेत्री गौरी जी. किशन के प्रति कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए मांगी गई माफी ''बनावटी'' लग रही है। मेनन की यह टिप्पणी यूट्यूबर द्वारा तमिलनाडु में हाल में एक प्रेस वार्ता के दौरान एक सवाल पूछने को लेकर अभिनेत्री से माफी मांगने के एक दिन बाद आई है।

एक वीडियो संदेश में, यूट्यूबर ने दावा किया कि उनके सवाल को गलत समझा गया और उनका इरादा गौरी किशन को ठेस पहुंचाने का नहीं था। एसोसिएशन की अध्यक्ष ने कहा, मुझे नहीं लगता कि उनका बयान माफी मांगने जैसा था, उनके हाव-भाव कुछ और ही कह रहे थे।

फिल्मों की शूटिंग के लिए कश्मीर लौटने को तैयार बॉलीवुड : सुनील शेट्टी

जम्मू/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने रविवार को कहा कि निर्माता-निर्देशक फिल्मों की शूटिंग के लिए फिर से कश्मीर का रुख करने को पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि यह क्षेत्र अपना खोया हुआ गौरव फिर से हासिल करेगा। शेट्टी का यह बयान अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के कई महीनों बाद आया है। हमले ने इस इलाके को बुरी तरह से प्रभावित किया था, जिसके बाद सरकार वहां पर्यटन उद्योग में फिर से जान फूंकने की कोशिश कर रही है। बीएसएफ जम्मू के पुरस्कार समारोह के बाद संवाददाताओं से मुखातिब शेट्टी ने कहा, (कश्मीर में) सौ फीसदी शूटिंग होगी। विक्रम राजदान, शब्बीर बॉक्सवाला और बिनॉय गांधी कश्मीर में इसी साल अपनी फिल्मों की शूटिंग की तैयारी कर रहे हैं। मुझे लगता है कि ये फिल्में अगली गर्मियों तक पूरी हो जाएंगी। उन्होंने कहा, हमारा जम्मू-कश्मीर अपना खोया हुआ गौरव फिर से हासिल करेगा और हमेशा गौरवपूर्ण बना रहेगा।

शेट्टी ने जम्मू मैराथन के आयोजन के लिए बीएसएफ की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में शामिल होना उनके लिए सम्मान की बात है। शेट्टी ने 1997 में प्रदर्शित फिल्म 'बॉर्डर' में बीएसएफ जवान भैरों सिंह की भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, अगर लोग मुझे आज जानते हैं, तो वह 'बॉर्डर' में मेरी भूमिका की वजह से है। मुझे इस किरदार के लिए याद किया जाएगा। यह बीएसएफ द्वारा जम्मू में आयोजित पहली मैराथन है। बीएसएफ हमारी सुरक्षा में अग्रिम पंक्ति पर तैनात रहती है।

आयुर्वेद ने बदली तमन्ना भाटिया की जिंदगी

नई दिल्ली/एजेन्सी

तमन्ना भाटिया अपनी एक्टिंग के लिए तो जानी ही जाती है, लेकिन उनकी खूबसूरती और फिटनेस हमेशा चर्चा का विषय रही हैं। एक्ट्रेस घंटों शूटिंग के दौरान काम करती हैं लेकिन फिर भी एनर्जेटिक महसूस करती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि तमन्ना आयुर्वेद की पुरानी पद्धति को फॉलो करती हैं? आयुष मंत्रालय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तमन्ना भाटिया का वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने ऑयल पुलिंग और आयुर्वेद द्वारा उनके जीवन में आए बदलावों पर बात की है। वीडियो में तमन्ना कहती हैं, आयुर्वेद पिछले एक साल से मेरी जिंदगी का जरूरी हिस्सा रहा है। मैंने आयुर्वेद का सहारा लेकर डाइट और जीवनशैली में बदलाव किया। इन बदलावों ने मेरी जिंदगी को पूरी तरह बदल दिया। मुझे लगता है कि हम लोग प्राचीन पद्धति को हल्के में लेते हैं, लेकिन इस सोच को बदलने की जरूरत है, खासकर आज की पीढ़ी के लिए। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि किसी भी पीढ़ी को उतनी आयुर्वेद की जरूरत महसूस नहीं हुई है जितनी हमारी पीढ़ी को हो रही है। हमें सबसे पहले अपनी जीवनशैली को बदलने की जरूरत है क्योंकि वो टॉक्सिक हो गई है। बीते साल मैंने ऑयल पुलिंग सीखा और कोविड के समय ये भी जाना कि कैसे धीरे-धीरे चबाते हैं। ये चीजें सुनने में बहुत सिंपल लगती हैं, लेकिन यहीं चीजें गलत तरीके से की जाएं तो हेल्थ को बहुत प्रभावित करती हैं। बता दें कि ऑयल पुलिंग मुंह की बदबू और संक्रमण से बचने का बेहतरीन आयुर्वेदिक उपाय है। इसके लिए नारियल, जैतून या बादाम का तेल लेकर 3-5 मिनट मुंह के अंदर रखना होता है और उसे चारों तरफ घुमाना होता है। ये प्रक्रिया दांत और जीभ को साफ करने के बाद करनी होती है।

आईवीएफ बेंगलूरु चैप्टर की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

बाबूभाई मेहता चेयरमैन, ललित डाकलिया अध्यक्ष, प्रशांत सिंघी महामंत्री नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन(आईवीएफ) बेंगलूरु चैप्टर की नई कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण व दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन स्थानीय आदर्श कॉलेज के सभागार में किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष बाबूभाई मेहता ने सभी का स्वागत करते हुए अपने कार्यकाल के दौरान सभी सदस्यों द्वारा मिले सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। नई कार्यकारिणी समिति के नए चेयरमैन बाबू भाई मेहता ने नव निर्वाचित अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष डॉ वासुदेव सारड़ा, रूपचंद कुमट, महामंत्री प्रशांत सिंघी, कोषाध्यक्ष प्रतीक गादिया, सहमंत्री कुनाल मरलेचा को पद की शपथ दिलावाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय व्यापारी बोर्ड के सदस्य प्रकाश पिरगल, एफकेसीसीआई के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर पहाड़सिंह राजपुरोहित, वरिष्ठ पत्रकार और दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के समूह सम्पादक श्रीकांत पाराशर, भाजपा जैन अल्पसंख्यक मोर्चा के कर्नाटक प्रदेश प्रमुख इन्दरकुमार नाहर के साथ अनेक संघ संस्थाओं के प्रतिनिधि और सदस्य उपस्थित थे। नए अध्यक्ष ललित डाकलिया ने अपने आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताते हुए कहा कि हमें सामाजिक, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सभी को साथ लेकर चलते हुए केंद्र और राज्य सरकारों तक व्यापारी वर्ग की आवाज पहुंचानी है और समय-समय पर उच्च अधिकारियों के साथ समन्वय करके सदस्यों के बीच सेमिनार आयोजित करके व्यापारी वर्ग के हितों पर चर्चा करनी है। मुख्य अतिथि प्रकाश पिरगल, पहाड़सिंह राजपुरोहित, श्रीकांत पाराशर और इन्दर नाहर ने बाबूभाई मेहता और ललित डाकलिया का सम्मान किया ।

नई कार्यकारिणी समिति में सुनील लोढ़ा, दिनेश पोरवाड़, ललित धारीवाल, नलिन चोरड़िया, मनीष जैन, धर्मेंद्र संकलेचा, कपीश लाहोटी और पुखराज आचंलिया को शामिल किया गया है। कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर जिया हिंगड ने 'अपने आप को जानें' विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। अंत में महामंत्री प्रशांत सिंघी ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन मोनिका कुमट ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न सभा संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सम्मान — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बेंगलूरु के एक होटल में एक मीडिया समूह द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में कर्नाटक में समाजसेवा व विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए महेंद्र मुणोत को नानू कन्नड़िगा- 2025' पुरस्कार से सम्मानित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, पूर्व उप मुख्यमंत्री आर. अशोक, शिवस्वामी एवं अन्य।

अक्कीपेट स्थानकवासी नवयुवक मंडल का स्नेह मिलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन नवयुवक मंडल अक्कीपेट का स्नेह मिलन रविवार को दोड्डबलापुर स्थित एक रिसोर्ट में सम्पन्न हुआ जिसमें 110 सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मंडल के सभी सदस्यों को एकजुट करना, पारिवारिक स्नेह बढ़ाना तथा संगठन में एकता की भावना को सुदृढ़ करना रहा। दिनभर चले इस आयोजन में मनोरंजक पारिवारिक खेल, टीम एक्टिविटीज़, संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। मंडल द्वारा सभी प्रतिभागियों के लिए मनोरंजन कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण और रिटर्न गिफ्ट की व्यवस्था की गई जिसमें हनुमान चोपड़ा, राज लुंकड,विक्रम छाजेड़ का विशेष सहयोग रहा। मंडल के अध्यक्ष कमलेश सालेचा ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर पदाधिकारियों ने व्यवस्था संभाली।

ब्यावर संघ युवा शाखा का दिवाली स्नेह मिलन आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ युवा शाखा का दीपावली मिलन रविवार को आयोजित किया गया। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। डाकलिया ने युवा शाखा के ऑफिस खरीदने, नए प्रकल्प ज्ञान वाटिका और युवा शाखा की क्रिकेट टीम के बारे में जानकारी प्रदान की। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने आगामी संक्रांति महोत्सव और ब्यावर संघ के आगामी स्नेह मिलन के बारे में सूचना दी।

कार्यक्रम में युवा लेडीज विंग की सदस्याओं के साथ ज्ञान वाटिका के सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मनोरंजन हेतु आशीष और प्रीति भन्साली द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताएं आकर्षण का केन्द्र रहीं। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों को कार्यकारिणी समिति की ओर से उपहार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पदाधिकारियों सहित अनेक युवा सदस्य परिवार सहित उपस्थित थे । अन्त में सहमंत्री नरेश बोहरा ने सभी को धन्यवाद दिया।

गुजराती संघ में चातुर्मास सम्पन्न, आज होगा संतों का विहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तुरकिया भवन से अपना चातुर्मास सम्पन्न कर उपप्रवर्तक पंकज मुनिजी, डॉ. वरुण मुनिजी एवं रूपेश मुनिजी मंगलवार को दोपहर में राजाजीनगर की ओर विहार करेंगे। संघ के प्रमुख राजेश मेहता ने बताया कि रविवार को संतों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर डॉ. वरुण मुनि जी महाराज ने कहा कि पिछले चार महीनों में यहां के सभी श्रावक-श्राविकाओं ने तन, मन और धन से सेवा कर इस चातुर्मास को सफल बनाया है। चातुर्मास के समापन अवसर वरुणमुनिजी ने कहा कि आपके स्थानक में जो भी संत पधारें, उनकी सेवा का लाभ अवश्य लें। किसी भी संप्रदाय के संत-साध्वी आएं, बिना भेदभाव के उनका सत्संग सुनें और उनके उपदेशों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें। संतों ने सभी उपस्थित जनों को धन्यवाद दिया और कहा कि आप अच्छे कार्य करते हुए जनकल्याण के कार्यों में सदैव आगे बढ़ें, यही वास्तविक साधना है। विदाई समारोह में आठ उपवास, नौ उपवास, तीन उपवास एवं वार्षिक तप करने वाले तपस्वियों का संघ की ओर से सम्मान किया गया। इस मौके पर मेधावी बच्चों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर तेजराज ओस्तवाल, मदनलाल दलाल, संपतलाल ढीलीवाल, सुरेंद्र आंचलिया सहित यशवंतपुर, श्रीरामपुरम, राजाजीनगर, चिकपेट आदि स्थानों से बड़ी संख्या में गुरुभक्त उपस्थित थे।

सरल व मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे विजयराज बाफना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जाने माने इलेक्ट्रिक व्यापारी विजयराज बाफना ने उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी के मुखारविंद से 7 नवम्बर को दोपहर में संथारा के प्रत्याख्यान ग्रहण किए थे और 9 नवम्बर को उनका संथारा पूर्वक देवलोकगमन हो गया। 69 वर्षीय विजयराज बाफना एक सरलमना, मिलनसार, धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति थे। सोमवार को गणेश बाग में नरेशमुनिजी के सान्निध्य में उनकी गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न सभा संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने स्व. बाफना के व्यक्तित्व व कार्यशाली पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उनके गुणों को याद किया।

संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे अपने नाम के अनुरूप विजय पर राज करने वाले थे। गत ढेड़ दशक से स्व. विजयराज एक गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे परन्तु इतनी जटिलता के बाद भी उन्होंने अपना जीवन बहुत ही संयम व शांति से जीया। नरेशमुनिजी व शालिभद्रमुनिजी ने कहा कि सरल व संयमी व्यक्ति ही संथारा ग्रहण कर सकता है और अपनी मृत्यु को महोत्सव बना सकता है और ऐसा ही जीवन जीया श्रावकश्री बाफना ने।

गौतम मुथा बने चामराजपेट जैन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष, संतोष चौहान बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट, चामराजपेट की साधारण सभा सोमवार को सम्पन्न हुई जिसमें वर्ष 2025-28 के लिए नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। सर्वसम्मति से ट्रस्ट के अध्यक्ष पद पर गौतम मूथा, उपाध्यक्ष महावीर मेहता, बसंत वेदमुथा, राजेन्द्र दांतेवाड़िया, सचिव संतोष चौहान, संयुक्त सचिव प्रवीण गादिया, नरेश बांठिया, कोषाध्यक्ष बाबूलाल बाफना, संयुक्त कोषाध्यक्ष गजेन्द्र चंदावत व सुरेश पिरगल का चयन किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौतम मुथा एवं सचिव संतोष चौहान ने सभी को धन्यवाद दिया तथा सभी से सहयोग करने की अपील की। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

बुरे लोगों में भी अच्छाई देखने वाला होता है महान : संतश्री ज्ञानमुनि

युवाचार्यश्री मिश्रीमल की पुण्यतिथि मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में रविवार को श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य श्री मिश्रीमल जी मधुकर' की पुण्यतिथि मनाई गई। गुरुदेव ने कहा कि अरिहंत भगवान ही हमारे पूजनीय और आराध्य हैं। दुनिया के दूसरे देवों से हमारा विरोध नहीं हैं लेकिन अरिहंत हमारे पूजनीय हैं। जो सही साधु होते हैं वह सभी के गुरु भगवंत होते हैं। जो तप, संयम में लगे हैं, ज्ञान दर्शन से भरे हैं वह साधु ही सभी के गुरु भगवंत होते हैं। सभी गुणों से संपन्न संत ही गुरु होता हैं। ऐसे साधु संत राग, द्वेष से बहुत दूर होते हैं। लोगों को सही मार्ग दिखाने का काम करते हैं। सूत्र हमारा सत्य विधान और धर्म दया विधान है। ऐसे ही गुरु युवाचार्य श्री मिश्रीमल जी को आज हम याद कर रहे हैं। युवाचार्यश्री का जीवन बहुत ही सामान्य था। उनमें हर प्रकार का गुण था। संसार से जो विरला है वही संत होता है। सबके प्रति जिसके मन में समभाव है वही महापुरुष होता है। कमियों को नहीं गुणों को ग्रहण करने वाला ही महान होता है। निंदा करने और कमियां ढूंढने वाले को भी अच्छा समझने वाला ही महान होता है। ऐसे ही महान पुरुष मिश्रीमलजी का जीवन था। जैसा नाम वैसा ही उनका व्यवहार था। मिश्री जैसा मीठा बोलते थे। मधुकर जी का जीवन बहुत सरल था। उनके चेहरे पर तेज था। उन्होंने तप त्याग से अपने जीवन को सफल किया। साथ ही हजारों लोगों को भी कल्याण का मार्ग दिखाया। संस्कारों से प्रेरित होकर उनको दीक्षा का भाव आया था। दीक्षा लेकर उन्होंने अपने जीवन के साथ औरों के जीवन को भी सुधारा। ऐसे महापुरुषों के बारे में सुनकर उनके गुणों को जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता पुखराज बोथरा ने की। गौतमचंद ओस्तवाल, शांतिलाल बोहरा, अशोक कुमार चोपड़ा की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने सभी का स्वागत किया।

गदग जीतो लेडीज विंग का औद्योगिक दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली । शहर के जीतो हुब्बल्ली चैप्टर के तहत गदग लेडीज़ विंग ने गदग में लोबोसा टी प्रोडक्शन फैक्ट्री की इंडस्ट्रियल दौरा किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य महिला सदस्याओं को इंडस्ट्रियल ऑपरेशन्स, उद्यमिता व उत्पाद विकास तकनीक के बारे में व्यवहारिक अनुभव देना था। इस दौरे में चेयरपर्सन स्वीटी भंसाली, महासचिव इंदिरा बागमार सहित अनेक सदस्याएं शामिल थीं।

‘शब्द’ की रचनागोष्ठी में कविताओं की बहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रसिद्ध साहित्य संस्था 'शब्द' की गत रविवार को आयोजित मासिक काव्यगोष्ठी में गीतों, गज़लों और कविताओं की बहार रही। वरिष्ठ गज़लगो विद्याकृष्णा की अध्यक्षता में आयोजित काव्य गोष्ठी में मुख्य अतिथि थे कछार, असम में हिन्दी कविता के ध्वज वाहक रहे कवि-गीतकार अजय कुमार सिंह। कवयित्री बिन्दु रायसोनी का सधा हुआ संचालन प्रभावकारी था। शब्द' की कार्यकारी अध्यक्ष नलिनी पोपट की सरस्वती वंदना से आरंभ काव्य गोष्ठी में आनंद मोहन झा ने राष्ट्र गीत के लिखे जाने के 150 वें वर्ष के उपलक्ष्य में वंदे मातरम' का सुमधुर गायन किया। उन्होंने आधुनिक जीवन में टेक्नोलॉजी के प्रवेश से होने वाली समस्याओं पर दो सुंदर गीत भी सुनाए। युवा गीतकार लोकेश मिश्र के गीत प्रेम और अनुराग पर आधारित थे तो दीपक सोपोरी की गजलें जिंदगी का फलसफा बयान कर रही थी। अंजना चाँडक की कविताएँ स्त्री मन के विद्रोह की अभिव्यक्ति थीं। राजेन्द्र गुलेच्छा की कविता में स्त्री के जीवन संघर्ष और संतुलन की प्रशंसा थी। बिंदु रायसोनी की कविता में जीवन के आनंद और सौन्दर्य की गूँज मुखर थी, तो ऋता शेखर की कुंडलियों में ऋतु-दर्शन का शांत स्वर था। ऐसे ही श्रीकान्त शर्मा तथा अचला प्रवीण की अभिव्यक्ति में रिश्तों का आलोड़न था, जबकि शब्द' की कार्यकारी अध्यक्ष नलिनी पोपट के गीत माधुर्य से ओतप्रोत थे। वरिष्ठ भाषाविद् और बसवमार्ग' (हिन्दी) के संपादक डॉ प्रभाशंकर प्रेमी ने मनुष्य अनुभूतियों की पड़ताल करती कविताएँ सुनाईं। अशोक कुमार सूर्य के सस्वर काव्यपाठ ने भी प्रभावित किया। मुख्य अतिथि अजय कुमार सिंह ने अपने सम्बोधन में कार्यक्रम की गुणवत्ता की प्रशंसा की और जोशीले अंदाज में अपने दो गीत सुनाए। गजलगो विद्या कृष्णा ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में रचना गोष्ठी में प्रस्तुत गीतों और गज़लों की गुणता की चर्चा की और तरन्नुम में गज़लें सुनाकर वातावरण को खुशनुमा बनाया।

शब्द' के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने कविता को उद्दाम का उत्सव बताया और कहा कि यह अपने मूल्य और सरोकार में हमेशा साधारण की असाधारण व्यंजना होती है। तुलसी दास ने कीरती भनिति भूति भलि सोई कहा है। कविता सुरसरि के समान जनहितकारी होकर ही सफल होती। उन्होंने जीवन को गौर से देखने पर जोर दिया और कहा कि जैसे जीवन निरपेक्ष नहीं होता, वैसे ही कविता निरपेक्ष नहीं होती। कविता सार्थक होकर ही प्रासंगिकता बनती है। लोकेश मिश्र के धन्यवाद ज्ञापन के साथ गोष्ठी संपन्न हुई।

राजाजीनगर जैन मंदिर की 32वीं वर्षगांठ पर हुआ ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक मंदिर की 32वीं वर्षगांठ आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी की निश्रा में सोमवार को मनाई गई। हिरलबेन परेशभाई ढीला के निवास से ध्वजा की शोभायात्रा निकाली गई। मंदिर में सत्तरभेदी पूजा का आयोजन किया गया तथा लाभार्थी ढीला परिवार ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। इस मौके पर आचार्यश्री देवेन्द्रसागरसूरीश्वरजी, मुनि हर्षरत्नविजयजी व भानुरत्नविजयजी आदि संत भी उपस्थित थे। इस अवसर पर आगामी वर्ष की ध्वजा का लाभ पारेख एवं वोरा परिवार ने लिया।

गौसेवा — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अलसूर महिला मंडल की सदस्याओं ने साध्वीश्री शशिप्रभाजी के चातुर्मास समाप्ति पर हेनूर स्थित श्री कृष्ण गौशाला में गौमाता की सेवा की और हरी घास, सब्जी आदि खिलाई। गौशाला के व्यवस्थापक संतश्री पुखराज जी ने गौशाला का निरीक्षण करवाया। महिला मंडल ने गौशाला के लिए पंखे प्रदान किए। इसके अलावा महिला मंडल ने होसकोटे स्थित भंडारी गौशाला में भी गौसेवा करते हुए अनुदान दिया तथा होसकोटे स्थानक में विराजित साध्वीश्री संगीताजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com